MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 21 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-260

SIR की नों'टीस'

आडवाणी, जयशंकर, संधू लिस्टेड

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जारी है। इस दौरान कई दिग्गजों के नामों पर चुनाव आयोग की ओर से नोटिस जारी किए जा रहे हैं। सामने आया है कि इनमें पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तक के नाम शामिल हैं। यहां तक कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू का नाम भी इस सूची में है। उनके एसआईआर विवरण में विसंगतियां मिलने के बाद उन्हें भी नोटिस जारी किया गया है।

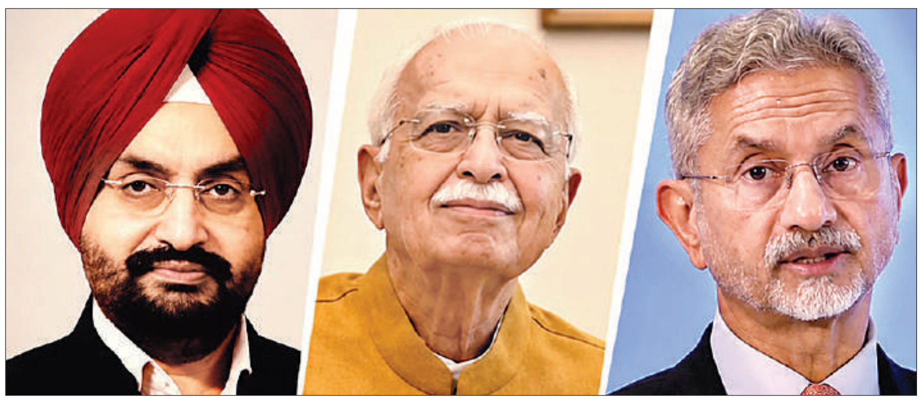

दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में प्रख्यात अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम भी शामिल है, जिनका नवंबर 2024 में निधन हो चुका है। दिल्ली में एसआईआर के बाद 97 लाख से अधिक मतदाताओं की प्रारूप मतदाता सूची जारी की गई है। इसमें करीब 33.13 लाख मतदाताओं के रिकॉर्ड में किसी न किसी तरह की गड़बड़ी या अंतर पाया गया है। इन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं। ज्यादातर मामले ऐसे हैं, जिनमें मौजूदा मतदाता की जानकारी का वर्ष 2002 में हुए पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि नोटिस मिलने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से काट दिया जाएगा। नोटिस पाने वाले लोगों को अपनी बात रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया जाएगा।

सिसोदिया और परिवार को भी मिला नोटिस

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया और बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। मनीष सिसोदिया को नोटिस देने की कोई खास वजह नहीं बताई गई है। उनकी पत्नी सीमा के रिकॉर्ड में उनके नाम से जुड़ा अंतर मिला है, जबकि बेटे मीर के रिकॉर्ड में माता-पिता के नाम से संबंधित गड़बड़ी सामने आई है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी को भी नोटिस मिला है। उनका रिकॉर्ड भी पिछले एसआईआर से नहीं जुड़ पाया है।

इसके अलावा पूर्व जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति एम. जगदीश कुमार, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे, पूर्व सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निदेशक प्रवीण सूद जैसे कई बड़े नाम भी इस सूची में शामिल हैं।

निधन के बाद भी मतदाता सूची में बिबेक देबरॉय का नाम

इस पूरी प्रक्रिया में दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम भी सामने आया है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व अध्यक्ष देबरॉय का नवंबर 2024 में निधन हो गया था। वह नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता थे। इसके बावजूद उनका नाम उन लोगों की सूची में आया है, जिनके रिकॉर्ड में अंतर पाया गया है। उनके रिकॉर्ड को भी पिछले एसआईआर से मानचित्रित नहीं श्रेणी में रखा गया है। एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने बताया कि आयोग को देबरॉय के निधन की जानकारी है और अब उनका नाम अंतिम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, बूथ स्तर अधिकारी ने भी देबरॉय के निधन की जानकारी दी थी। इसके बावजूद उनका नाम प्रारूप सूची में रखा गया। इसकी वजह चुनाव आयोग का एक निर्देश बताया गया है।

आयोग ने कहा था कि न्यायपालिका, जनप्रतिनिधियों और सरकारी पदों पर रहे लोगों के अलावा कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल और सार्वजनिक सेवा से जुड़े प्रमुख लोगों के जिन नामों को पहले से चिह्नित किया गया था, उन्हें प्रारूप मतदाता सूची में रखा जाए। इससे दावे और आपत्तियों के दौरान उनके आवश्यक दस्तावेज लेकर रिकॉर्ड की जांच की जा सके।

केजरीवाल और कपिल सिब्बल को भी मिल चुका है नोटिस

इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके परिवार के सदस्यों को भी नोटिस मिल चुका है। उनके मौजूदा रिकॉर्ड का भी पिछले एसआईआर की मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया था। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और उनकी पत्नी को भी इसी वजह से नोटिस मिला है। सिब्बल ने एसआईआर की आलोचना करते हुए इसे विशेष गहन नाम विलोपन कहा है।वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी नोटिस मिला था, लेकिन उनके मामले में उम्र से जुड़ा अंतर सामने आया था। बाद में उनके दस्तावेजों की जांच की गई और उनका रिकॉर्ड सही पाया गया। उनका नाम शालीमार बाग की अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

नोटिस का मतलब नाम कटना नहीं

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि नोटिस मिलने का मतलब मतदाता सूची से नाम कटना नहीं है। किसी भी व्यक्ति का नाम हटाने से पहले उसे अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। नोटिस पाने वाले मतदाताओं को अपने विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी या बूथ स्तर अधिकारी के पास जवाब और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। नोटिस से जुड़े मामलों को 29 अक्टूबर तक निपटाया जाना है। इसके बाद दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी की जाएगी।

आडवाणी परिवार को नोटिस

पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को एसआईआर के तहत नोटिस मिला है। इन तीनों के मौजूदा रिकॉर्ड का वर्ष 2002 की मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया। हालांकि, एल.के. आडवाणी के बेटे जयंत के रिकॉर्ड का मिलान हो गया है। परिवार के सभी चार सदस्य नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

एस. जयशंकर और उनकी पत्नी को भी नोटिस

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी पत्नी को भी नोटिस मिला है। दोनों के रिकॉर्ड को पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण से मानचित्रित नहीं श्रेणी में रखा गया है। आसान भाषा में इसका मतलब है कि उनके मौजूदा मतदाता रिकॉर्ड का वर्ष 2002 में हुए पिछले एसआईआर की मतदाता सूची से मिलान नहीं हो सका। दोनों नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सुनहरी बाग इलाके के मतदाता हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को भी नोटिस दिया गया है।

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू को भी नोटिस

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू का नाम भी इस सूची में आया है। उनके मामले में नाम को लेकर अंतर सामने आया है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने एसआईआर फॉर्म में अपना नाम डॉ. एसएस संधू लिखा है, जबकि मतदाता सूची में उनका नाम सुखबीर सिंह संधू दर्ज है।संधू नई मोती बाग के रहने वाले हैं और दिल्ली कैंट विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। अधिकारियों का कहना है कि उनके दस्तावेजों की जांच के बाद नाम से जुड़ी विसंगति को ठीक किया जाएगा। उनके बेटे दमनबीर के रिकॉर्ड में माता-पिता के नाम से जुड़ा अंतर पाया गया है।

पूर्वांचल सीएम होगा बेटा : राजभर

UP टुकडे-टुकडे

देवरिया, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बंटवारे की पुरानी सियासी बहस एक बार फिर गरमा गई है। देवरिया के सोनूघाट स्थित जनता इंटर कॉलेज में आयोजित सामाजिक समरसता महारैली के मंच से सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में प्रदेश का चार हिस्सों में बंटना तय है। बात यहीं खत्म नहीं हुई। राजभर ने अपनी सियासत का सबसे बड़ा पासा फेंकते हुए कहा कि जिस दिन अलग पूर्वांचल राज्य बनेगा, उस नए सूबे की पहली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर राजभर का बेटा ही बैठेगा।राजभर ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि वे इसी बड़ी मंजिल को ध्यान में रखकर जमीन पर काम करें। उनका इशारा साफ था कि समाज अब छोटे-मोटे फायदों तक सीमित न रहे, बल्कि सूबे की सबसे बड़ी सत्ता में सीधी हिस्सेदारी की तैयारी करे।

27 फीसदी आरक्षण में हिस्सेदारी का पेंच

भाषण के दौरान उन्होंने पिछड़ों के 27 फीसदी आरक्षण का मुद्दा भी उठाया। राजभर का कहना था कि इस कोटे के भीतर बंटवारा होना चाहिए, ताकि पिछड़ी जातियों को उनकी आबादी के अनुपात में लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि राजभर जाति को भी संख्या के आधार पर आरक्षण का फायदा मिलना चाहिए।

उनका तर्क था कि आरक्षण का लाभ कुछ ही जातियों तक सिमटकर नहीं रहना चाहिए। आबादी के हिसाब से बाकी पिछड़ी जातियों को भी उनकी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

सपा, कांग्रेस और बसपा पर तीखा तंज

मंच से उन्होंने कांग्रेस, सपा और बसपा पर भी निशाना साधा। राजभर ने कहा कि कांग्रेस ने करीब 60 साल शासन किया, जबकि सपा और बसपा भी कई बार उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहीं। उन्होंने सवाल किया कि इतने लंबे राजनीतिक दौर के बाद पिछड़े समाज को क्या मिला। समर्थकों से राजभर ने कहा कि किसी के बहकावे में आकर सपा, बसपा या कांग्रेस में जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 10 साल से सरकार के साथ है और इस दौरान समाज के लोगों को कई योजनाओं का लाभ मिला है।

चार हिस्सों में बंटवारे का पुराना इतिहास

उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटने की बात पहले भी राजनीति में उठती रही है। 2011 में मायावती सरकार ने विधानसभा में प्रदेश को पूर्वांचल, बुंदेलखंड, पश्चिम प्रदेश और अवध प्रदेश में बांटने का प्रस्ताव पास किया था। बाद में यह प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया था। फिलहाल इस दिशा में कोई नया प्रशासनिक या सरकारी फैसला नहीं हुआ है। देवरिया के मंच से उठा यह बयान ओम प्रकाश राजभर की अपनी सियासी रणनीति और आने वाले दिनों में पिछड़े वोट बैंक को साधे रखने की एक सोची-समझी बिसात नजर आती है।

छात्रों की गूँज में कांग्रेसी

राहुल नौटंकी!

भोपाल, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में युवाओं और छात्रों की समस्याओं के बारे में राहुल गांधी को बताने वाले जिन छात्रों ने मंच से अपनी बात रखी थी, उनमें से कुछ के कांग्रेस और उससे जुड़े संगठनों से जुड़े होने की बात सामने आई है। इसे लेकर अब भाजपा का कहना है कि यह मध्यप्रदेश के छात्रों और युवाओं के साथ सीधा धोखा है।

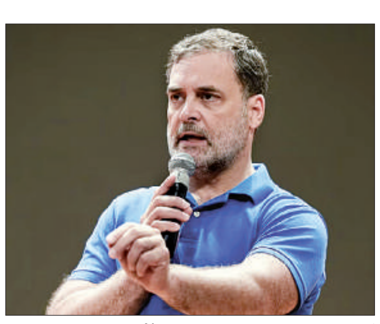

मंच पर राहुल गांधी से संवाद करने वाले तनय शर्मा ने स्वीकारा एनएसयूआई से जुड़ाव

एक छात्र तनय शर्मा, जो भोपाल की माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में पढ़ाई करता है, 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी के मंच पर बुलाए जाने के बाद उनसे संवाद कर चुका है। बाद में भाजपा ने तनय शर्मा का सामाजिक माध्यमों का प्रोफाइल जारी करते हुए बताया था कि तनय स्वयं एनएसयूआई कार्यकर्ता है। रविवार को तनय शर्मा ने स्वीकार किया कि वह वर्तमान में एनएसयूआई कार्यकर्ता है और पूर्व में एनएसयूआई का प्रवक्ता भी रह चुका है। तनय ने बताया, मैं एनएसयूआई कार्यकर्ता हूं, लेकिन उससे पहले छात्र हूं और छात्रों से जुड़े मुद्दों को उठाना मेरी प्राथमिकता है।

तनय शर्मा के मुताबिक, उनकी राहुल गांधी से पहले भी मुलाकात हो चुकी है।

▶8पर

बदले-बदले ट्रंप

अब शी जिनपिंग खास दोस्त

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

एक समय ऐसा था, जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में बात करते समय चीन का जिक्र किए बिना नहीं रह पाते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और अपने पहले कार्यकाल के दौरान वे अक्सर चीन पर जोरदार हमले करते थे। उन्होंने नौकरियां छीनने, कारखाने बंद करवाने और मध्यम वर्ग को कमजोर करने के लिए बीजिंग को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, समय के साथ चीन को लेकर उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति व्हाइट हाउस में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मेजबानी करने की तैयारी कर रहे हैं। इसमें उनका शानदार स्वागत और राजकीय रात्रिभोज भी शामिल है। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, शी की यात्रा के दौरान व्यापार, दुर्लभ मृदा खनिज और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे मुद्दे प्रमुख चर्चा में रहेंगे।

शी जिनपिंग गुरुवार को एक अहम दौरे पर वाशिंगटन पहुंचेंगे। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, दुर्लभ मृदा खनिज और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि, सबसे दिलचस्प बात केवल यह नहीं है कि वे किस बारे में बात करेंगे, बल्कि यह भी है कि ट्रंप अब जिनपिंग के बारे में किस तरह बात कर रहे हैं। ट्रंप ने इस महीने कहा कि वे बहुत अच्छे इंसान हैं, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को भी अच्छा बताया और चीन को प्रतिस्पर्धी करार दिया। यह उस ट्रंप के रुख से अलग है, जिन्होंने कभी चीन को अमेरिका की आर्थिक गिरावट का मुख्य कारण बताया था। ट्रंप ने हाल में सार्वजनिक रूप से शी के साथ अपने अच्छे संबंधों की बात कही है। 2025 में सत्ता में लौटने पर ट्रंप का पहला रुख टकराव वाला था। उन्होंने चीन पर शुल्क लगाए और आगे भी शुल्क बढ़ाने की धमकी दी।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 22^0

हिन्दू ही खतरा : अंसारी बयान पर भड़के भगवाधारी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

देश के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के एक बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। ए.जी. नूरानी स्मृति व्याख्यान में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के एक पुराने कथन का जिक्र किया था। इसी को लेकर भाजपा और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े नेताओं ने सवाल उठाए हैं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि बहुसंख्यक हिंदू समाज को भारत के लिए खतरा बताने से पहले अपने सार्वजनिक जीवन को भी देखना चाहिए।

अंसारी ने अपने भाषण में नेहरू के हवाले से कहा था कि भारत के लिए खतरा साम्यवाद नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह यह बात ए.जी. नूरानी की वर्ष 2019 में प्रकाशित पुस्तक 'द आरएसएस : ए मेनस टू इंडिया' में दर्ज संदर्भ के आधार पर रख रहे हैं। यह टिप्पणी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की एक पुरानी बैठक से जुड़ी बताई गई है, जिसे तत्कालीन विदेश सचिव जगत सिंह गुंडेविया के रिकॉर्ड से जोड़ा गया है। इस बयान के बाद विभिन्न स्थानों से विरोध की आवाजें आईं। विनोद बंसल ने कहा कि देश ने अंसारी को पद, सम्मान और अवसर दिए। उन्होंने पूछा कि बहुसंख्यक हिंदू समाज को देश के लिए खतरा बताना किस आधार पर सही ठहराया जा सकता है। उनका कहना था कि असली चिंता उन कट्टर सोच वाले लोगों से है, जो समाज में बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक का फर्क बढ़ाते हैं।

भाजपा नेता शहनवाज हुसैन ने भी अंसारी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस पर माफी मांगी जानी चाहिए। उनका कहना था कि देश में मुसलमान शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश में शांति का माहौल है, इसलिए ऐसे बयानों से बचना चाहिए। वहीं, मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि बंटवारे के बाद भारत ने खुद को धर्मनिरपेक्ष देश के तौर पर आगे बढ़ाया, जहां अलग-अलग धर्मों के लोग साथ रहते हैं।

▶8पर

मेलोनी बे-नकाब

विदेशी छात्रों के लिए इतालवी अनिवार्य

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

इटली भी बुर्का और नकाब पर रोक लगाने की तैयारी कर रहा है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने की है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने रविवार को अपनी पार्टी के एक युवा कार्यक्रम में कहा कि सरकार स्कूलों में चेहरा ढकने पर रोक लगाने और प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने की तैयारी कर रही है।

भूमध्य सागर के बीच में स्थित होने के कारण इटली उन यूरोपीय देशों में शामिल है, जहां बड़ी संख्या में प्रवासी आते हैं। इसी वजह से प्रवासन एक अहम मुद्दा है और लगातार आने वाली सरकारों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। प्रवासियों में खासकर मुस्लिम-बहुल देशों से आने वाले लोगों का समाज में घुलना-मिलना इटली की राजनीति और समाज में बहस का विषय बना हुआ है।धार्मिक प्रतीकों, सांस्कृतिक एकीकरण, नागरिकता के नियमों और आव्रजन नीति पर होने वाली बहसें अक्सर लोगों की राय को बांट देती हैं। मेलोनी ने अपनी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली के युवा प्रकोष्ठ की वार्षिक बैठक में कहा, जल्द ही मंत्रिमंडल की बैठक में एक प्रस्ताव पेश किया जाएगा, ताकि हर कक्षा में विदेशी छात्रों की अधिकतम संख्या कानूनी रूप से तय की जा सके।

▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हूती का सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन से हमला

रियाद

ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई संवेदनशील स्थानों पर हमले किए हैं। इनमें राजधानी रियाद और यानबू बंदरगाह शहर में स्थित अरामको की तेल सुविधा शामिल है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसने रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोक दिया। साथ ही बिश, ताइफ़, फ़रासान और यानबू पर किए गए अन्य हमलों को विफल कर दिया।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में यह जानकारी दी। सरी के अनुसार, सऊदी अरब के दो अहम ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया।

यह पहली बार है जब हूती ने महीनों बाद क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हूती ने कहा है कि वह सऊदी अरब की सबसे कीमती संपत्ति अरामको आयल फैसिलिटी को निशाना बनाएगा।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा, राजधानी सना को निशाना बनाने की सऊदी की कोशिश के जवाब में दो सफल सैन्य अभियान चलाए गए। उन्होंने कहा, पहला हमला सऊदी राजधानी रियाद में संवेदनशील ठिकानों पर और दूसरा यानबू में अरामको की सुविधाओं पर किया गया।

यानबू पर हमला अहम है। यह लाल सागर के तट पर स्थित है, लेकिन यमन और सऊदी अरब की सीमा से लगभग 700 मील उत्तर में है। रियाद भी सीमा से 700 मील से ज्यादा दूर है। इससे साफ है कि हूती अब सऊदी अरब में काफी नजदीक से हमला कर रहे हैं।

अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रियाद पर हमले के लिए हूती की कड़ी निंदा की गई है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हमले सऊदी अरब की संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं। मिस्र ने भी कहा कि हूती हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

बहरीन ने इन कृत्यों को आतंकवादी कार्रवाई करार दिया।

जार्डन ने कहा कि यह हमले सऊदी अरब की सुरक्षा, स्थिरता और उसकी सुरक्षा के लिए खतरा है और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सऊदी अरब पर हमलों की निंदा की है।

सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी सऊदी अरब पर हूती हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए और ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा।

2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद यमन में बड़े पैमाने पर लड़ाई रुक गई थी, लेकिन अब फिर से शुरू हुई यह लड़ाई तनाव में बड़ी बढ़ोतरी को दर्शाती है।

न्यूज ब्रीफ

ढाका के जात्राबारी में चार देसी बम फटे, कमलापुर रेलवे स्टेशन पर दो धमाके

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के जात्राबारी इलाके में कम से कम चार देसी बम फटे। इस दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके बाद कमलापुर रेलवे स्टेशन पर दो और देसी बम फटे। जात्राबारी थाना के इंस्पेक्टर (आपरेशन्स) खालिद हसन ने इसकी पुष्टि की। द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जात्राबारी में शाम करीब 7:40 बजे समद सुपर मार्केट के सामने चार देसी बम फटे। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति 32 वर्षीय रिक्शा चालक है।उसकी पहचान बिलाल के रूप में हुई है। इस घटना के बाद कमलापुर रेलवे स्टेशन पर दो देसी बम फटे। ढाका जिले के रेलवे पुलिस अधीक्षक निकुलिन चकमा ने बताया कि धमाके रात करीब 10:30 बजे प्लेटफार्म 2 के आखिरी छोर पर हुए। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ये ताजा धमाके ढाका में कई जगहों पर देसी बम धमाकों की एक श्रृंखला की खबर के एक दिन बाद हुए हैं। उधर, राजधानी में अलग-अलग जगह पर तीन बसों में आग लगा दी गई। मीरपुर में दो बसों को निशाना बनाया गया, जबकि बड्डा में एक और बस में आग लगा दी गई। ढाका मेट्रोपालिटन पुलिस ने कहा कि पूरे ढाका में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मुख्य सड़कों और शहर में घुसने के रास्तों पर 200 से ज्यादा चेक पाइंट बनाए गए हैं।

रिश्ते सुधारने बांग्लादेशी पीएम नवंबर में जा सकते हैं भारत, पीएम नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच टाप लेवल पर सीधी बात हो

ढाका। बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान इसी साल नवंबर में भारत के दौरे पर जा सकते हैं। इस हाई-

प्रोफाइल यात्रा को लेकर ढाका और नई दिल्ली के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत शुरू हो चुकी है। हालांकि ये बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, लेकिन दोनों देशों के मौजूदा माहौल को देखते हुए इस दौरे को एक बड़ा टर्निंग पाइंट माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में एक नई शुरुआत होने जा रही है। सूत्रों की मानें तो बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान का ये दौरा दोनों देशों के नए समीकरणों को सही दिशा दे सकता है. भारत सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि तारिक रहमान ने अब खुद भारत आने में दिलचस्पी दिखाई है। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच टाप लेवल पर सीधी बात हो। दोनों देश सही तारीखों, कार्यक्रमों और पूरी प्लानिंग को लेकर लगातार बात कर रहे हैं। भले ही अभी फाइनल शेड्यूल तय होना बाकी है, लेकिन दोनों पक्षों की मंशा बिल्कुल साफ है कि ये दौरा नवंबर में ही हो। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि जब दो पड़ोसी देश इस तरह से आगे बढ़ते हैं, तो जमीनी स्तर पर कई अटके हुए मसले भी हल होने लगते हैं। फिलहाल दोनों देशों के डिप्लोमैट्स तारीखों और अन्य प्रोटोकाल्स को सेट करने में जुटे हैं। जब भी दो देशों के रिश्तों में थोड़ी खटास आती है, तो वहां के राजनयिकों का काम काफी मुश्किल हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिला। दोनों देशों के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा खुला रहे, इसके लिए बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी काफी एक्टिव रोल निभा रहे हैं।

जर्मनी में मनाया गया इंडिया डे, भारतीय विज्ञान और संस्कृति की दिखी झलक

बर्लिन। जर्मनी में भारतीय दूतावास ने ब्रांडेनबर्ग टेक्निकल यूनिवर्सिटी के सहयोग से काटबस में इंडिया डे का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करना था। भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी। दूतावास के अनुसार, 18 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में भारत-जर्मनी राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर को भी रेखांकित किया गया। इसमें करीब 200 लोगों ने हिस्सा लिया। भारत के जर्मनी में राजदूत अजीत गुप्ते ने शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, व्यापार, निवेश, पर्यटन, कौशल विकास और प्रतिभा एवं श्रम गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंधों के विस्तार पर प्रकाश डाला। ब्रांडेनबर्ग टेक्निकल यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष प्रोफेसर गेजिने ग्रांडे ने भारत के साथ विश्वविद्यालय के लंबे जुड़ाव को रेखांकित किया। कार्यक्रम में इंडियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन काटबस (आईएसएसी) के उपाध्यक्ष ने भी हिस्सा लिया। यह आयोजन ऐसे समय हुआ है जब भारत और जर्मनी अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से फोन पर बातचीत की थी। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकी और प्रतिभा की आवाजाही समेत विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

16 महीने बाद भी पाकिस्तान का सरगोधा एयरबेस बदहाल, आपरेशन सिंदूर के घाव अब तक नहीं भरे

नई दिल्ली

भारत के आपरेशन सिंदूर के दौरान हुए हमले से पाकिस्तान का सरगोधा एयरबेस 16 महीने बाद भी उबर नहीं पाया है। हालिया सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि एयरबेस के मुख्य रनवे पर मरम्मत का काम अब भी जारी है, और जिस हिस्से को पहले ठीक किया गया था, उसे फिर से खोदा जा रहा है। यह स्थिति सवाल उठाती है कि क्या प्रारंभिक मरम्मत पर्याप्त नहीं थी या रनवे की सतह में कोई गंभीर समस्या आ गई है। इस बीच, पाकिस्तान भारत को घेरने की नई रणनीति के तहत एक अमेरिकी कंपनी के साथ ड्रोन खरीदने की बड़ी डील कर रहा है। लाहौर से लगभग 172 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित मुशफ एयरबेस पाकिस्तान के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है और भारत-पाकिस्तान सीमा से लगभग 200 किलोमीटर दूर है। 10 मई 2025 को इंडियन एयरफोर्स के दो सटीक हमलों में इसके करीब 3,200 मीटर लंबे मुख्य रनवे पर बड़े गड्ढे हो गए थे। विश्लेषकों के मुताबिक, एक गड्ढा लगभग 8-9 मीटर चौड़ा और 4-5 मीटर गहरा था। शुरुआती मरम्मत के बावजूद, 12 सितंबर 2026 की सैटेलाइट तस्वीरों में उसी हिस्से को दोबारा गहराई से खोदा और मरम्मत किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खराब प्रारंभिक मरम्मत या रनवे की सतह में असमानता का संकेत हो सकता है, जो फाइटर जेट आपरेशन के लिए गंभीर समस्या है। रिटायर्ड एयर मार्शल एके भारती ने इसे इंडियन एयरफोर्स की सटीक मार का उदाहरण बताया है।

इस बीच, पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने के लिए अमेरिका की रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी पावरस के साथ ड्रोन और स्वायत्त रक्षा तकनीक से जुड़ा एक रणनीतिक खरीद समझौता कर रहा है। इसमें ड्रोन, ड्रोन रोकने वाले सिस्टम और भविष्य में स्थानीय उत्पादन की संभावनाएं शामिल हैं। हालांकि सौदे का पूरा विवरण सार्वजनिक नहीं हुआ है, लेकिन इसका महत्व आपरेशन सिंदूर के दौरान सामने आया था, जब पाकिस्तान ने लद्दाख से लेकर सर क्रीक तक 36 जगहों पर 300 से 400 ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश की थी। इस घटना ने आधुनिक युद्ध में ड्रोन की बढ़ती भूमिका और पारंपरिक हथियारों के मुकाबले उनकी आर्थिक दक्षता को उजागर किया। भारत भी इस बदलते समीकरण को गंभीरता से ले रहा है और अपनी काउंटर-ड्रोन क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। उसके पास आकाश, क्यूआरएसएएम और एस-400 जैसी एयर डिफेंस सिस्टम हैं, और वह लंबी दूरी की कूशा एयर डिफेंस प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहा है, जिसके जुलाई 2026 में शुरुआती उड़ान परीक्षण की जानकारी सामने आई थी। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि भविष्य के युद्धक्षेत्र में न केवल पुराने नुकसानों की भरपाई, बल्कि नई तकनीकों को अपनाना भी महत्वपूर्ण होगा। पाकिस्तान की यह ड्रोन डील और सरगोधा एयरबेस की बदहाली, आने वाले समय में भारत-पाकिस्तान सुरक्षा समीकरणों की एक अहम तस्वीर बन सकती है।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनावः लूला के लोकलुभावन वादे और विरोधियों के सवाल

ब्रासीलिया। ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक आते ही चुनावी प्रचार अभियान तेज हुआ है, जहाँ मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अपनी पुनरावृत्ति की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए कई बड़े वादे कर दिए हैं। इन घोषणाओं ने न केवल ब्राजील बल्कि पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिसमें गरीब परिवारों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम के भुगतान में वृद्धि, मुफ्त वजन घटाने वाली दवा का ऐलान और फेमिसाइड के खिलाफ सख्त कानून बनाने की बात प्रमुख है। इसमें सबसे प्रमुख है गरीब परिवारों के लिए चलाए जा रहे बोल्सा फमीलिया कल्याणकारी कार्यक्रम के भुगतान में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी, इस वे मुद्रास्फीति के अनुरूप समायोजन बता रहे हैं। लूला का कहना है कि इसका उद्देश्य गरीब परिवारों की क्रय शक्ति को बनाए रखना है। इसके तहत मौजूदा मासिक भुगतान, जो करीब 98 पाउंड है, को बढ़ाकर करीब 113 पाउंड होगा। यह बढ़ोतरी 19 अक्टूबर से प्रभावी होगी, ठीक 4 अक्टूबर को होने वाले चुनाव और संभावित 25 अक्टूबर के दूसरे दौर के मतदान के बीच। लूला के पहले कार्यकाल, 2003 में शुरू किया गया बोल्सा फमीलिया ब्राजील का एक महत्वपूर्ण नकद हस्तांतरण कार्यक्रम है, जिसने लाखों लोगों को गरीबी से उबरने में मदद की है। वर्तमान में लगभग 5 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं, जिनमें से करीब 2.7 करोड़ मतदान के योग्य हैं। इसके अलावा, लूला सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से वजन घटाने वाली दवाएं मुफ्त उपलब्ध कराने का भी वादा किया है।

ईरान की अमेरिका से वार्ता के लिए सात शर्तें, ट्रंप मंगलवार को करेंगे चर्चा

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान ने कतर के जरिए अमेरिका को बातचीत शुरू करने के लिए सात शर्तें बताई हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन उसकी मांगें नहीं मानता है तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा कि कतर ने ईरान की शर्तें वाशिंगटन तक पहुंचा दी हैं। तेहरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहा है।

अल जजीरा, शिन्हुआ, गल्फ न्यूज और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रेजाई ने कहा, हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के मकसद से हमारी शर्तें वाशिंगटन तक पहुंचाई हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। रेजाई के मुताबिक शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, ईरान के फ्रीज फंड जारी करना और नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शामिल है।

रेजाई ने एक्स पर लिखा कि अगर वाशिंगटन खुद बनाई मुश्किल से निकलना चाहता है, तो उसके पास ईरान के अधिकार और शर्तें मानने के अलावा कोई चारा नहीं है। रेजाई ने अमेरिका के एक और हमले की पूरी संभावना जताई और कहा कि पिछले दौर की दो लड़ाई के बाद ईरान की सैन्य योजना बदली है। उनके अनुसार योजना अब खाड़ी से ओमान की खाड़ी और अरब सागर तक फैले अमेरिकी नौसैनिक संसाधनों पर केंद्रित है।

उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल ही में अमेरिकी जहाज या एयरक्राफ्ट कैरियर के पास मल्टी-वारहेड एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे की प्रतिक्रिया व्यापक हो सकती है, जिसमें क्षेत्र के अमेरिकी

ठिकाने, व्यावसायिक हित और स्थानीय कंपनियां भी निशाने पर आ सकती हैं।

पिछले महीने एक समझौता ज्ञापन की समय-सीमा खत्म होने के बाद से कतर और पाकिस्तान बातचीत दोबारा शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद शुरू हुआ था। रेजाई ने कहा कि तेहरान संघर्ष को जितनी जल्दी हो सके खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

इस बीच मोहसिन रेजाई ने एक साक्षात्कार में कहा कि उनका देश अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की ओर से जारी उस धार्मिक आदेश का अभी भी पालन करता है, जिसमें परमाणु हथियार विकसित करने पर रोक लगाई गई है। मोहसिन रेजाई ने कहा, हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होगा।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह न्यूयार्क में खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ईरान चर्चा का प्रमुख विषय रहेगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ट्रंप या अमेरिका का कोई अन्य प्रतिनिधि ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेगा या नहीं।

एआई के गलत इस्तेमाल से होंगे गंभीर परिणामः डारियो अमोदेई

वाशिंगटन। हाल ही में एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई ने एआई के तेजी से विकास और भविष्य में इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई है। अमोदेई से पूर्व शोधकर्ता जैकब काक्सन ने एआई से मानवता के अस्तित्व पर खतरे की आशंका व्यक्त की थी। अमोदेई ने भी एआई के जोखिम को गंभीरता से लेने की जरूरत पर सहमति जताई है। हाल ही में अमोदेई ने कहा कि एआई उद्योग बेहद तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक एआई से जुड़े संभावित विनाशकारी जोखिम को केवल प्रतिशत के आंकड़ों में देखने के बजाय यह समझना जरूरी है कि भविष्य कई संभावित रास्तों पर निर्भर करता है। यदि तकनीक को सुरक्षित तरीके से विकसित किया गया और उचित सावधानियां बरती गईं, तो जोखिम को काफी कम किया जा सकता है। लेकिन यदि विकास की दिशा गलत रही या शक्तिशाली एआई का इस्तेमाल गलत हाथों में पहुंच गया, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

बलोचिस्तान में सेना ने हाइवे रोके आतंकियों पर गोली चलाई, पांच की मौत, 23 बंधक छुड़ाए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान

सुरक्षा बलों ने कलात के पास एनएच-25 पर अंधाधुंध गोलीबारी कर पांच आतंकवादियों को मार गिराया। बलों ने 23 बंधकों को भी छुड़ा लिया। पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया एवं जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यह जानकारी दी।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की ट्रैफिक रोकने और आवाजाही में बाधा डालने की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस कार्रवाई में पांच आतंकवादी मारे गए और 23 बंधकों को छुड़ाया गया।

विज्ञप्ति के अनुसार, आतंकवादियों ने यात्रियों को अगवा करने, जबरन वसूली करने और गाड़ियां छीनने के लिए हाइवे पर एक अस्थायी नाका लगाया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और गोलीबारी के दौरान पांच आतंकवादियों को मार गिराया। नाके से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए।

आईएसपीआर के अनुसार, घटनास्थल से छह ट्रक, तीन बसें और दो कारें बरामद की गईं। आतंकवादियों के खिलाफ यह सफलता आपरेशन रद्दुल फितना 3 के तहत मिली। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने पंजगुर और चगाई जिलों में अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को मार गिराया।

सूत्रों के मुताबिक, पंजगुर के गोवारगो इलाके में पांच, जबकि चगाई के अमीनबाद और सियाह चांग इलाकों में छह आतंकी मारे गए। बावजूद इसके

बलोचिस्तानहिंसा का बड़ा केंद्र बना हुआ है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि खारान में कालेज रोड पर आतंकवादियों ने एक यात्री वाहन को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया, जिसमें 10 मजदूर घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

बांग्लादेश में विद्रोह के दौरान थानों से लूटे हथियार पहुंचे अपराधियों के पास

ढाका

बांग्लादेश की स्पेशल रिस्पान्स बटालियन (एसआरबी) थानों से लूटे गए सभी हथियारों को बरामद नहीं कर सकी है।

2024 में छात्र-जन विद्रोह के दौरान थानों से हजारों हथियार लूटे गए थे। अब तक 1,306 हथियार गायब हैं। इनमें से कुछ हथियारों का प्रयोग बाद में अपराधियों ने किया। इन हथियारों से ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर हमले किए गए। इससे चिंता बढ़ गई है कि बाकी हथियारों का इस्तेमाल आसन्न स्थानीय चुनाव में अपना दबदबा बनाने के लिए किया जा सकता है। एसआरबी को नौ सितंबर को इन हथियारों को बरामद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, एसआरबी जनता से मदद मांग रही है। जानकारी देने वालों को इनाम देने की पेशकश की गई। लोगों को भरोसा दिलाया जा रहा है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, 5 अगस्त 2024 को अलग-अलग थानों से 5,763 हथियार लूटे गए। इनमें से 14 सितंबर तक 4,457 हथियार बरामद कर लिए गए, जबकि 1,306 अभी भी गायब हैं। इसी दौरान 6,52,008 राउंड गोला-बारूद भी लूटा गया। इनमें से 3,94,895 राउंड बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 2,57,113 राउंड अभी भी गायब हैं।

सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर हथियार और गोला-बारूद किशोर गैंग के सदस्यों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने लूटे थे। कुछ हथियार बाद में कम कीमत पर आपराधिक समूहों को बेच दिए गए। अब इन हथियारों का इस्तेमाल हत्या, जबरन वसूली, झपटमारी, डकैती, ड्रग्स के कारोबार और जमीन हड़पने जैसे अपराधों में किया जा रहा है। कुछ हथियार लुटेरों, अपहरणकर्ताओं, किशोर गैंग, समुद्री लुटेरों और जंगल में लूटपाट करने वालों तक भी पहुंच गए हैं।

पुलिस ने हाल ही में पुष्टि की है कि 26 अगस्त को चटगांव के अपराधी मुबारक हुसैन, उर्फ गलाकाटा मुबारक को गिरफ्तार करने के आपरेशन के दौरान उन पर जिस पिस्तौल से गोली चलाई गई, वह 5 अगस्त, 2024 को चटगांव के कोतवाली पुलिस स्टेशन से लूटी गई थी। पुलिस के अनुसार, मुबारक ने जांच अधिकारी को बताया कि उसे यह हथियार एक अन्य अपराधी से मिला था, जिससे पता चलता है कि लूट के बाद यह हथियार कई लोगों के हाथों से गुजरा था।

एक अन्य मामले में मीरपुर में बरामद एक विदेशी पिस्तौल के बारे में पता चला कि उसे 5 अगस्त के बाद थाने से लूटा गया था। 2 मार्च को सैयदबाद बस टर्मिनल इलाके में एक आपरेशन के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल डिपार्टमेंट के एक इंस्पेक्टर को गोली मार दी गई थी। पुलिस ने इस घटना में शामिल संदिग्ध अपराधी और ड्रग डीलर आटो सजल को गिरफ्तार किया। उससे मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस ने स्वामीबाग में एक किराए के घर से दो विदेशी पिस्तौल, चार मैगजीन, 77 राउंड कारतूस और 59 ग्राम हेरोइन बरामद की। सजल ने पुलिस को बताया कि ये हथियार अगस्त में वारी पुलिस स्टेशन से लूटे गए थे। पुलिस ने अराइहजार बाजार सेंट्रल जामा मस्जिद की दूसरी मंजिल पर एक शेल्फ से एक पिस्तौल, दो मैगजीन और 20 कारतूस बरामद किए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा। तरल पदार्थ का सेवन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता-पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा । घर-परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उडद के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।शिवलिंग पर जल अर्पित करें, जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्त्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगें वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 सितंबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 08:02 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा अहोरात्र
योग : शोभन सायं 04:05 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:00 तक
चन्द्रराशि : धनु प्रातः 11:15 तक
सूर्योदय : 06:05 ,सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:08 , सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीरामदेव जी दशमी , दशावतार

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्रीमद् भागवत कथा की जोरदार तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

पितृपक्ष में 1 से 7 अक्टूबर तक होगा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गुरुवार 1 अक्टूबर 2026 से बुधवार 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर के प्रांगण, एन.एम. गुडा चौरस्ता, अतापुर, हैदराबाद में किया जाएगा।

पितृपक्ष मास के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा की संपूर्ण तैयारियों को लेकर रविवार 20 सितंबर को दोपहर 12.30 बजे साई बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुडा चौरस्ता, अतापुर में श्री अशोक कुमार हीरावत जैन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि धार्मिक आस्था रखने वाले सभी धर्मावलंबी बंधुओं के लिए पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथा श्रवण करने वाले भक्तों एवं बंधुओं के लिए प्रतिदिन शाम आरती के पश्चात प्रसाद रूपी भोजन की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने परिवार के पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में अपना संपूर्ण योगदान देकर पुण्य के सहभागी बनें।

इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

विज्ञप्ति में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर का विमोचन श्री अशोक कुमार हीरावत जैन द्वारा किया गया। दैनिक यजमानों के रूप में श्री राम निरंजन जी अग्रवाल, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री कृष्णा सौंन्थलीया, उपाध्यक्ष, श्री श्याम मंदिर काचिगुडा; श्री मुकेश कुमार लोया, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री इंद्रकरण सौंन्थलीया, अध्यक्ष, श्री श्याम मंदिर काचिगुडा; श्री बैजनाथ सिंगनोंडिया; श्री वेणुगोपाल जी तोतला, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री कमल किशोर कांकाणी, समाजसेवी; श्री बृजगोपाल असावा, प्रबंध निदेशक, महेश कोऑपरेटिव बैंक; श्री रूपेश सोनी, प्रबंध निदेशक, महेश कोऑपरेटिव बैंक; श्री जमनालाल मनोहर लाल कांकाणी, सुप्रसिद्ध समाजसेवी; श्रीमती जया रमेश जागीरदार, सुप्रसिद्ध समाजसेविका; श्रीमती कोमल बेहावाल, सुप्रसिद्ध समाजसेवी; श्री कैलाशनारायण भांगड़िया, प्रसिद्ध समाजसेवी; श्री अशोक कुमार हीरावत जैन, सुप्रसिद्ध उद्योगपति; श्री महेंद्र कुमार विजयवर्गीय, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री दिनेश मानसिंह, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री बद्री विशाल बंसल, प्रसिद्ध उद्योगपति; श्री पंडित पुरुषोत्तम लाल महाराज तथा श्री जगदीश प्रसाद मैयक्ष ने अपनी स्वीकृति श्रीनिवास सोमाणी को दी। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि पितृपक्ष में श्रीमद् भागवत कथा का अत्यधिक महत्व है। पितृपक्ष के पावन दिनों में भागवत कथा सुनना तथा श्रीमद् भागवत कथा करवाना, कथा में पितरों के लिए दान करना, तन-मन-धन से इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेना, अपना समय देना, यथानुसार दान एवं सहयोग करनाइन सभी कार्यों से परिवार के पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

उन्होंने कहा कि मान्यता है कि इन 15 दिनों में पितृ इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं और अपने कुल के परिवार एवं बच्चों द्वारा अपने पितरों के निमित्त किए गए दान से प्रसन्न होकर उन्हें अपना आशीर्वाद देते हैं। इससे परिवार में सुख-शांति आती है तथा परिवार के सारे कष्ट दूर होकर सुख, शांति, समृद्धि, मांगलिक कार्य, वंश वृद्धि, धन-संपदा और वैभव की प्राप्ति होती है। पितृ अपने परिवार से प्रसन्न होकर अपने पितृलोक को प्रस्थान करते हैं।

उन्होंने समाज के धार्मिक आस्था रखने वाले बंधुओं से आग्रह किया कि वे अपने पितरों के निमित्त पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा में अपने परिवार का नाम दैनिक यजमानों में समिति अध्यक्ष के पास लिखाएं। प्रतिदिन शाम आरती के पश्चात कथा श्रवण करने वाले बंधुओं एवं भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने समाज के सभी बंधुओं से पितृपक्ष मास के अवसर पर अपने परिवार के पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में सहयोग कर पुण्य के लाभार्थी बनने का आग्रह किया।

श्रीमद् भागवत कथा के अवसर पर आयोजित होने वाली कलश यात्रा के लिए अब तक 30 महिलाओं ने अपना नाम पंजीकृत कराया है। श्रीनिवास सोमाणी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में कलश यात्रा के लिए 108 कलश का लक्ष्य रखा गया है। कलश यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 सितंबर है। उन्होंने सभी कलश लेने वाली महिलाओं से आग्रह किया कि वे 25 सितंबर तक पंजीकरण राशि देकर अपना नाम दर्ज करा लें।

श्री अशोक कुमार हीरावत ने अपने संबोधन में कहा कि अपने परिवार के पूर्वजों के मोक्ष के लिए श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से ही प्राप्ति होती है। बैठक में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, समिति उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत जैन, समिति कोषाध्यक्ष संजय राठी, समिति संगठन मंत्री रमेश मोदानी, संजय गुप्ता, निखिल सोमाणी, केदारनाथ लाठी, रामदेव व्यास, श्रीमती आशा देवी सोमाणी एवं श्रीमती जमुना देवी लाठी उपस्थित रहे। अंत में सभी के धन्यवाद के साथ बैठक संपन्न हुई।

निजामाबाद में महर्षि दधीचि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

निजामाबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद दायमा समाज द्वारा महर्षि दधीचि की जयंती स्थानीय अग्रसेन भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। दाधीच सेवा समिति के उपमंत्री दिनेश कुमार दायमा, युवा मंच के सी.एस. योगेश दायमा एवं जयप्रकाश व्यास द्वारा महर्षि दधीचि की पूजा-अर्चना पंडित गोपाल जी व्यास ने करवाई।

कार्यक्रम में समाज के हरीश कुमार जी व्यास, गौरी शंकर जी दायमा एवं प्रवीण कुमार जी व्यास ने महर्षि दधीचि जन्मोत्सव पर शुभ संदेश दिया। दाधीच सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा समाज के वरिष्ठ सदस्य घनश्याम दास जी इटोदिया एवं गौरी शंकर जी दायमा का शाल, मोतियों की माला एवं श्रीफल से सत्कार किया गया।

कु. सोनल व्यास, सुपुत्री प्रवीण कुमार व्यास, को राज्यपाल द्वारा एमबीए में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का भी संस्था द्वारा सत्कार किया गया।

सभा अध्यक्ष रमेश जी शर्मा ने समाज की एकता पर बल देते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। मंत्री गोपाल जी तिवारी ने वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया।

महिला मंडल की महिलाओं ने मंगल पाठ किया। अनिल कुमार दायमा, राधेश्याम जी व्यास, योगेश दायमा एवं सुनील दायमा ने भजनों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का समापन महाआरती एवं महाप्रसाद के साथ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दाधीच समाज के बंधुओं एवं महिलाओं ने भाग लिया।

तड़कोल के शिवा का राज्य स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में चयन

एलारेड्डी, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल के तड़कोल गांव निवासी शिवा का कामारेड्डी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। शिवा वर्तमान में स्पार्क माइंड स्कूल में शारीरिक शिक्षा शिक्षक हैं। रविवार को स्कूल प्रबंधन ने उनका सम्मान कर बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य पाशम राजिरेड्डी, संवाददाता किरण, निदेशक रामेश्वर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा से मजबूत होता है मानवता का रिश्ता : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क स्थित वॉटर टैंक के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा के संकल्प को मजबूती प्रदान की गई।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा किसी एक दिन या अवसर तक सीमित रहने वाला कार्य नहीं है, बल्कि यह निरंतर चलने वाली ऐसी साधना है, जिसमें मानवता का कल्याण सर्वोपरि होता है। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना और जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित रूप से अन्न-सेवा के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा की भावना को आत्मसात करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार समाज के लिए कुछ न कुछ करने का प्रयास करना चाहिए। सेवा कार्य में दिखावे से अधिक महत्वपूर्ण सेवा के पीछे की भावना और समर्पण होता है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से आयोजित की जा रही अन्नसेवा में ग्रुप के सदस्य पूरे उत्साह और सेवाभाव के साथ सहभागी बन रहे हैं।

कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज में आपसी सहयोग, करुणा और मानवता का संदेश भी दिया जा रहा है।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, कमल किशोर मूंदड़ा, जयप्रकाश सारडा, उमाकांत गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मंचेरियाल के सड़क और पुल कार्यों को लेकर सांसद वमसी कृष्ण की पहल

पेद्दापल्ली, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वमसी कृष्ण ने मंचेरियाल में लंबित सड़क निर्माण, चौड़ीकरण एवं उच्च स्तरीय पुलों के कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की पहल की है। उन्होंने चेन्नूर, चिर्राकुंटा, रसूलपल्ली रोड, आदिलपेट, वेंकटपुर और मुदिगुंटा क्षेत्रों के कार्यों को केंद्र के संज्ञान में लाया। सांसद के अनुसार करीब 40 करोड़ रुपये की लागत वाले लगभग 16 किलोमीटर के इन कार्यों को लेकर पिछले दो वर्षों से प्रयास जारी हैं। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष भी लंबित कार्यों का मुद्दा उठाया।

घरौंडा मैत्री फ्लैट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, हिमायत नगर द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के समक्ष उपस्थित भक्तगण।

श्री अष्ट विनायक यूथ एसोसिएशन, सिख गली, गौलीगुड़ा, हैदराबाद।

मंचेरियाल के प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर में स्थापित श्री गणेश जी की प्रतिमा के दर्शन करने पहुँचे नगर पुलिस थाना के एसीपी प्रकाश एवं वार्ड नं. 58 की कॉर्पोरेटर बोटला अनीता का मारवाड़ी प्रगति समाज द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया।

पेद्दापल्ली नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष डॉ. ममता रेड्डी गारू ने वार्ड 5 टीचर्स कॉलोनी एवं वार्ड 31 तिलक नगर में स्थापित गणेश प्रतिमाओं के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी लोगों के सुख, समृद्धि एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। बीआरएस नेता पेंचला श्रीधर, संपत, राजी रेड्डी, राकेश एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बीआरएस के राज्य प्रवक्ता डॉ. चिरुमिला राकेश ने पेद्दापल्ली के प्रगति नगर, सुभाष नगर एवं रंगपुर में गणेश प्रतिमाओं के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की और अन्न प्रसाद कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हैदराबाद के छत्रीनाका स्थित मित्र यूथ एसोसिएशन में 59वें वार्षिक गणेश नवरात्रि उत्सव के अवसर पर रविवार को गणपति होम, अर्चना, महाआरती एवं अन्न प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें 500 लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर अन्न प्रसाद के प्रायोजक टी. रवि किरण एवं परिवार का एसोसिएशन के सदस्यों ने सम्मान किया। आयोजन की व्यवस्थाओं में चधअ के महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार तथा सदस्य के. भारद्वाज, बी. वरुण कुमार, विघ्नेश्वर, बी. नितिन चार्य, कोटेश, वेंकटेश, मधुसूदन, एस. करण, के. सरोज, राहुल, विनीत चार्य, ऋषि एवं अन्य ने सहयोग किया।

गणेश नवरात्रि के अवसर पर गम्पा नरसिंगराव गुप्ता द्वारा अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास विशष अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में वेंकटेश कुर्मा, एमके नरेंदर बंजारी, रघु दादा एवं नागेश गुप्ता उपस्थित रहे।

हबीब नगर राम निवास गणेश उत्सव समिति द्वारा स्थापित गींश पंडाल में पूजा-अर्चना क बाद उपस्थित- टी. किशोर सिंह, टी. दुर्गेश सिंह, टी. राकेश सिंह, टी. रणजीत सिंह, टी. जय सिंह एवं टी. अमृत सिंह।

रोज करें इन नामों का पाठ तो बुद्धि, समृद्धि आपके घर में रहेंगी

जब जब पृथ्वी पर दैत्यों के आतंक का साया रहा तब तब भगवान विष्णु, शिव, माता पार्वती यहां अवतरित हुए। भगवान गणेश भी चारों युगों में अवतरित हुए हैं। सतयुग में गणेश जी महोत्कट विनायक के नाम से, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापर युग में शिवपुत्र गजानन के नाम से अवतरित हुए। और इस तरह पृथ्वी के अंत में जब भगवान कल्कि अवतरित होंगे उसी दौरान भगवान गणेश धूम्रकेतु रूप में अवतरित होंगे। इस बात का उल्लेख हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलता है।

ये हैं गणेश परिवार भगवान गणेश के पिता भोलेनाथ हैं। मां पार्वती उनकी मां है। भगवान मुरुगन यानी कार्तिकेय उनके भाई हैं, और गजानन की बहन अशोक सुंदरी हैं। भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं रिद्धि और सिद्धि। हालांकि दक्षिण भारत में गणेश जी को ब्रहमचारी के रूप में पूजा जाता है। गणेश जी के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ। उन्हें मोदक प्रिय है। लाल रंग के फूल से गणेशजी जल्द प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उन्हें दुर्वा, शमी पत्र भी अर्पित करना चाहिए। गणेश जी के अस्त्र पाश और अंकुश हैं। और वाहन मूषक।

बुद्धि के लिए रोज करें इन नामों का पाठ हिंदू पौराणिक ग्रंथो में उल्लेखित है। यदि भगवान गणेश के इन बारह नामों का रोज पाठ करें तो बुद्धि, गृहक्लेश और समृद्धि आपके घर में रहेंगी। यह नाम क्रमशः सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है।

उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर।वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते।

केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

भगवान गणेश को क्यों नहीं चढाई जाती है तुलसी

तुलसी को बेसिल पौधे के नाम से भी जाना जाता है और यह हिन्दुओं के लिए काफी पावन पेड है। यह महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए व्यापक रूप से इस्तमाल किया जाता है। तुलसी में कई औषधीय गुण भी होते हैं। तुलसी के पौधे को मृत इंसान के मुंह में इस विश्वास के साथ रखा जाता है कि इससे वह इंसान को वैकुण्ठ या भगवान विष्णु के निवास स्थान पर पहुँच जाएगा। हालांकि, तुलसी को भगवान गणेश पर नहीं चढाया जाता है और इसके पीछे पुराण से सम्बंधित एक कहानी भी है। भगवान गणेश की कृपा चाहिये तो चढाइये उनके पसंदीदा फूल तुलसी एक समय एक लडकी हुआ करती थी जो भगवान महाविष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की पूजा में लीन रहती थी और एक दिन उन्हें गणेश मिले जो एक सुन्दर बगिया में खुशबूदार पेडों के पास ध्यान में मग्न थे। गणेश ने चमकीला पीला वस्त्र पहना था और उनके पूरे शरीर पर चन्दन का लेप लगा था। गणेश के इस रूप को देखकर तुलसी मोहित हो गयी और उनके सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया।

भगवान गणेश ने कहा कि वह ब्रमहचर्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं वह सन्यासी हैं और शादी के बारे में तो सोच भी नहीं सकते क्यूंकि इससे उनके संयमी जीवन पर असर पडेगा। तुलसी यह सुनकर गुस्सा हुई और गणेश के इस वक्तव्य पर क्षुब्ध होकर उन्होंने

गणेश को शाप दिया कि उनकी इच्छा के बिना भी उनको शादी करनी पडेगी। भले ही गणेश अत्यंत परोपकारी थे पर तुलसी के इस आचरण से उन्हें गुस्सा आया। उन्होंने तुलसी को श्राप दिया कि उसकी शादी एक दानव से होगी और उसे काफी कष्ट भुगतना पडेगा। तुलसी को अपनी गलती का अंदाजा हो गया और उसने भगवान गणेश से विनती की ताकि वह उसे इस कठोर श्राप से मुक्त कर दें। भगवान गणेश खुश हुए और उसे माफकर दिया। उन्होंने कहा कि श्राप के अनुसार उसकी शादी एक दानव से होगी पर एक जीवन के बाद अगले जीवन में वह पेड बन जायेगी। उसके बाद सब में वह अपने अद्भुत औषधीय गुण के कारण जानी जायेगी और भगवान महाविष्णु की प्रिय होगी। महाविष्णु तुलसी चढाये जाने से काफी खुश होंगे और इस तरह उसकी एक उन्नत जगह होगी। गणेश का श्राप और आशीर्वाद दोनों ही सच हुए और तुलसी का विवाह शंकचूड नाम के दानव से हुआ। उसने पूरी जिंदगी उसके साथ गुजारी और फिर उसके बाद अगले सारे जन्म में तुसली के पेड का रूप लिया।

गणेश के विश्वास के अनुसार महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए यह एक उत्तम पौधे के रूप में इस्तमाल होने लगा। तुलसी के चढावे के बिना भगवान विष्णु की कोई भी पूजा अधूरी रहने लगी। यह कारण है कि भगवान गणेश को तुलसी नहीं चढाया जाता है। इस कहानी से यह भी पता चलता है कि कैसे तुलसी को यह पवित्र स्थान मिला। पुराणों के कहानियों से पता चलता है कि भगवान बुरे लोगों के साथ भी काफी दयालु थे। जब भी देवों द्वारा किसी दानव का वध होता था तो उसे मोक्ष की प्राप्ति होती थी। इस तरह इस कहानी में गणेश की दया और कृपा का बखान है। इस कहानी को तब बताया गया जब लोगों ने पूछा कि भगवान गणेश को तुलसी क्यों नहीं चढाया जाता है। पुराने समय से तुलसी का इस्तमाल गणेश भगवान की पूजा में नहीं किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश को अर्का घास बहुत पसंद है।

क्या है हिंदू देवियों का रहस्य

सरस्वती-हिंदू धर्म की प्रमुख त्रिदेवियों में से एक माता सरस्वती को ज्ञान की देवी माना गया है। हंस पर विराजमान मां सरस्वती ने धवल वस्त्र धारण किए हैं। सरस्वती के हाथ वीणा के वरदंड से शोभित हैं। संगीत, कला, शिक्षा और ज्ञान की देवी हैं सरस्वती। सरस्वती के नाम पर ही एक नदी का नाम सरस्वती था, जो प्राचीनकाल में शिवालिक की पहाडियों से निकलकर हरियाणा और राजस्थान में बहती थी और सिंधु खाडी में समाहित हो जाती थी।

माता लक्ष्मी - भगवान विष्णु की पत्नी और ऋषि भृगु की पुत्री देवी लक्ष्मी त्रिदेवियों में से एक हैं, जो धन और समृद्धि को देने वाली मानी गई हैं। लक्ष्मी माता का वाहन उल्लू है और वह लक्ष्मी क्षीरसागर में भगवान विष्णु के साथ कमल पर वास करती हैं। लक्ष्मीजी को 2 रूपों में पूजा जाता है, श्रीरूप और लक्ष्मी रूप। इनका विशेष दिन शुक्रवार को माना गया है। भगवती लक्ष्मी के 18 पुत्र कहे गए हैं जिसमें प्रमुख हैं, आनंद, कर्दम, श्रीद और चिक्लीत।

गायत्री- गायत्री नाम से ऋग्वेद में एक सबसे लंबा छंद है। गायत्री को आद्याशक्ति प्रकृति के 5 स्वरूपों में एक माना गया है।

यही वेद माता कहलाती हैं। किसी समय ये सविता देव की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं इसलिए इनका नाम सावित्री पड गया। इनका विग्रह तपाए हुए स्वर्ण के समान है। वेदों में अदिति के अलावा सविता का भी कई जगहों पर उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार वज्रनाश नामक राक्षस का वध करने के पश्चात ब्रहमाजी ने संसार की भलाई के लिए पुष्कर में एक यज्ञ करने का फैसला किया। ब्रहमाजी यज्ञ करने हेतु पुष्कर पहुंच गए, लेकिन किसी कारणवश सावित्री जी समय पर नहीं पहुंच सकीं। यज्ञ को पूर्ण करने के लिए उनके साथ उनकी पत्नी का होना जरूरी था, लेकिन सावित्री जी के नहीं पहुंचने की वजह से उन्होंने एक कन्या गायत्री से विवाह कर यज्ञ शुरू किया। उसी दौरान देवी सावित्री वहां पहुंचीं और ब्रहमा के बगल में दूसरी कन्या को बैठा देख क्रोधित हो गईं।

उन्होंने ब्रहमाजी को श्राप दिया कि देवता होने के बावजूद कभी भी उनकी पूजा नहीं होगी, तब सावित्री से सभी देवताओं ने विनती की कि अपना श्राप वापस ले लीजिए, लेकिन उन्होंने नहीं लिया। जब गुस्सा ठंडा हुआ तो सावित्री ने कहा कि इस धरती पर सिर्फपुष्कर में आपकी पूजा होगी।

श्रद्धा - श्रद्धा कर्दम ऋषि एवं देवहूति की तृतीय कन्या थी। श्रद्धा का विवाह अंगिरा ऋषि के साथ हुआ था। अंगिरा और श्रद्धा से सिनीबाला, कुहु, राका एवं अनुमति नामक पुत्रियां तथा तथ्य और बृहस्पति नामक पुत्र हुए। बृहस्पति देवताओं के गुरु हैं।

शचि - शचि स्कंद पुराण के पुलोमा पुत्री शचि का भी वेदों में उल्लेख मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार सतयुग में दैत्यराज पुलोम की पुत्री शचि ने देवराज इंद्र को पति रूप में प्राप्त करने के लिए ज्वालपाधाम में हिमालय की अधिष्ठात्री देवी पार्वती की तपस्या की थी। मां पार्वती ने शचि की तपस्या पर प्रसन्न होकर उसे दीप्त ज्वालेश्वरी के रूप में दर्शन दिए और शचि की मनोकामना पूर्ण की। जहां मां ने दर्शन दिए थे वह स्थान उत्तराखंड के गढवाल क्षेत्र में है। यहां माता ज्वाला देवी का एक मंदिर है। देवी शचि को इंद्राणी कहा जाता है। इंद्राणी देवी शचि ने अपने पति इंद्र के हाथ में ब्राहमणों द्वारा रक्षा सूत्र बंधवाया था। उन्होंने ऐसाइ सलिएकिया, क्योंकि उस समय देवासुरसंग्राम चल रहा था। रक्षासूत्र बांधकर जब इंद्र ने युद्ध किया तो वे विजयी हुए। कुछ लोगों का मानना है कि तभी से रक्षाबंधन का यह पर्व शुरू हुआ।

सावित्री - ब्रहमा की पत्नी का नाम सावित्री देवी है। ब्रहमा ने एक और स्त्री से विवाहकिया था जिसकानाम गायत्री है। सावित्रीकी एक पुत्री का नाम सरस्वती है।

शालीग्राम की कहानी: विष्णु को श्राप क्यों मिला

जालंधर: शिव का एक भाग एक समय जलंधर नाम काएक पराक्रमी असुर था। जो शिव की तीसरी आँख से उत्पन्न हुआ था। यही कारण था कि वह अत्यंत शक्तिशाली योद्धा था। इसका विवाह वृंदा नामक कन्या से हुआ। वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त थी। इसके पतिव्रत धर्म के कारण जलंधर अजेय हो गया था। जालंधर और शिव का युद्ध इसने एक युद्ध में भगवान शिव को भी पराजित कर दिया। अपने अजेय होने पर इसे अभिमान हो गया और स्वर्ग के देवताओं को परेशान करने लगा। दु:खी होकर सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में गये और जलंधर के आतंक को समाप्त करने की प्रार्थना करने लगे। क्योंकि जालंधर को तभी हराया जा सकता जब पत्नी वृंदा पवित्रता को भांग कर दिया जाए।

वृंदा: विष्णु की सबसे बडी भक्त एक असुर की बेटी और पत्नी होने के बावजूद वह भगवान विष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की परम भक्त थी और उन पर उसे पूरा विश्वास करती थी। विष्णु का विश्वासघात सभी देवताओं ने देखा कि शिव भी उसे हरा नहीं पाये तो वे विष्णु की शरण में गए। भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलांधर का रूप

धारण कर लिया और छल से वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया। इससे जलंधर की शक्ति क्षीण हो गयी और वह युद्ध में मारा गया।

वृंदा का अभिशाप जब वृंदा ने भगवान विष्णु को छुआ तब उसे पता चला कि वह जालंधर नहीं है। और उसने पूछा कि वह कौन हैं। जब वृंदा को भगवान विष्णु के छल का पता चला तो उसने भगवान विष्णु को पत्थर का बन जाने का शाप दे दिया। भगवान विष्णु वृंदा के साथ हुए छल के कारण लज्जित थे इसलिए वृंदा के शाप को जिवित रखने के लिए उन्होनें अपना एक रूप पत्थर रूप में प्रकट किया जो शालिग्राम कहलाया।

तुलसी भगवान विष्णु ने वृंदा से कहा कि तुम अगले जन्म में तुलसी के रूप में प्रकट होगी और लक्ष्मी से भी अधिक मेरी प्रिय रहोगी। तुम्हारा स्थान मेरे शीश पर होगा। मैं तुमहारे बिना भोजन ग्रहण नहीं करूंगा।

यही कारण है कि भगवान विष्णु के प्रसाद में तुलसी अवश्य रखा जाता है। बिना तुलसी के अर्पित किया गया प्रसाद भगवान विष्णु स्वीकार नहीं करते हैं। शालीग्राम तुलसी का विवाह वृंदा के राख से तुलसी का पौधा निकला। वृंदा की मर्यादा और पवित्रता को बनाये रखने के लिए देवताओं ने भगवान विष्णु के शालिग्राम रूप का विवाह तुलसी से कराया।

इसी घटना को याद रखने के लिए हर वर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देव प्रबोधनी एकादशी के दिन तुलसी का विवाह शालिग्राम के साथ कराया जाता है।

मन की स्वतंत्रता

यदि व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता दी जाए, तो कई जरूरी कार्य भी समय से पहले पूरे हो जाते हैं। ओशो का चिंतन एक दार्शनिक था। एक बार उसने एक किसान से पूछा, कोल्हू का बैल चल रहा है। तेल पेरा जा रहा है। बैल को न तो कोई हांकने वाला है और न ही कोल्हू को चलाने वाला। फिर यह आराम करने के लिए बैल रुक क्यों नहीं जाता। किसान ने कहा कि गौर से देखने पर जवाब मिल जाएगा।

दार्शनिक ने गौर से देखा कि बैलों की आंखों पर पट्टियां बंधी हैं जैसे तांगे में चलने वाले घोडे की आंखों पर पट्टियां बंधी होती हैं, ताकि उसे सिर्फसामने दिखाई दे। वह इधर-उधर न देख पाए। साथ ही गले में घंटियां बंधी हैं। घंटी की आवाज बंद होने के साथ ही उसे कोडे से फटकार लगा दी जाती है। साधारण आदमी भी कोल्हू का बैल है, चलता जाता है। उसकी आंखों पर पट्टियां बंधी हैं! गले में घंटी बंधी है। घंटी बंद होते ही सबकी डांट-फटकार मिलने लगती है।

सुबह, दोपहर, सांझ, रात में वही सब काम करता जा रहा है, जो वह रोज करता है। वही क्रोध, वही काम, वही लोभ, वही मोह, वही अहंकार। सुख और दुख, दोनों पुराने हैं। हमारा मन स्वतंत्र नहीं है। दूसरों की इच्छाओं, आदेशों से ही हमें चलना है। अपनी मर्जी के काम करने या कपडे पहनने की भी स्वतंत्रता नहीं है। समाज ने हमारे लिए सभी इंतजाम कर दिए हैं। सभी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आजादी की बात की जाती है, लेकिन व्यक्ति चौबीसों घंटे गुलाम है। आजादी सिर्फएक थोथा शब्द है, जिसको हम दोहराते रहते हैं तोतों की तरह; और बहुत दिन दोहराने के कारण खुद ही भरोसा कर लेते हैं कि जरूर आजादी होगी, क्योंकि सभी लोग आजादी की बात कर रहे हैं।

आजादी कहां है। क्या हमने कभी भिन्न होने की चाहत की है। कभी भिन्न होने की चाह पैदा करें। कोई भी कलात्मक कार्य करें। आप देखेंगे कि कलात्मक कार्यों का प्रभाव सीधे मन पर होता है। मन आजाद होकर कमल के फूलों की तरह खिल जाता है। कई जरूरी काम पूर्ण हो जाते हैं। इस पृथ्वी पर आजादी उस दिन होगी, जिस दिन हम व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता देंगे।

स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उनके बचपन का नाम नरेंद्र था। जब भी वो किसी साथी से बात करते तो वह तल्लीनता से उनकी बातों को सुनते थे। एक बार ऐसी ही स्थिति में शिक्षक कक्षा में आ गए और पढाना शुरू कर दिया। छात्रों के पता ही नहीं चला। शिक्षक ने कहा, 'सभी छात्र वहां एक जगह क्यों एकत्र हैं।' शिक्षक वहां तुरंत पहुंचे और छात्रों से प्रश्न पूछने लगे। उनके प्रश्नों का उत्तर कोई छात्र नहीं दे सका। लेकिन नरेंद्र ने उस प्रश्न का उत्तर तुरंत दे दिया। शिक्षक ने सभी छात्रों को खडे रहने की सजा दी। लेकिन नरेंद्र ने कहा कि मैं इन सभी छात्रों से बात कर रहा था तो इनका ध्यान वहां नहीं था। लेकिन में सुन रहा था।

संक्षेप में नरेंद्र यानी स्वामी विवेकानंद बचपन से ही साहसी प्रवृत्ति के थे। उन्होंने हमेशा सच का साथ दिया और जिदंगी भर ईमानदारी का पाठ पढाया।

अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है

लोग यह जानते हैं कि आकाश में चमकने वाले सितारे नक्षत्र कहलाते हैं। अपनी-अपनी राशियां देखकर और ग्रहों के शुभाशुभत्व को ध्यान में रखकर ज्योतिष के माध्यम से अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है। ग्रह नौ और राशियां बारह सर्वविदित ही है। सामान्य अर्थ में नक्षत्र यानि तारे। यदि नक्षत्र का अर्थ और स्पष्ट किया जाये तो हम यह कह सकते हैं कि चंद्रमा के पथ में पडने वाले कुछ विशेष तारों के विभिन्न समूह जिनके नाम अलग-अलग हैं और जिनकी संख्या सत्ताइस है। चंद्रमा को नक्षत्रों का राजा यानि नक्षत्रराज कहा जाता है। गगन मंडल में ग्रहों की स्थिति का पता करने के लिये दैवज्ञों ने वृत्ताकार आकाश या भचक्र के 3600 अंशों को 12 समान खंडों में बांटा। तीस अंश के ये भाग राशि कहलाये। जिस भाग का जैसा स्वरूप दिखाई देता है उसी के

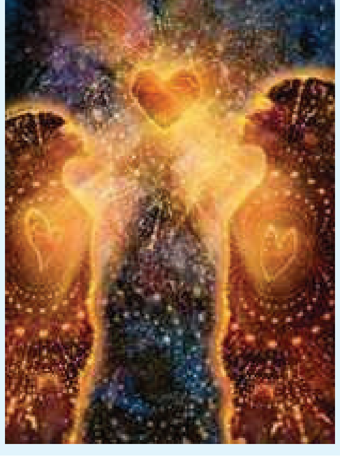

आधार पर राशियों का नामकरण किया गया है । इन्हें यंत्रादि की सहायता से देखा जा सकता है। इन्हीं भागों के नीचे ग्रहों का चलना फिरना होता रहता है और तभी यह कहते हैं कि फलां-फलां ग्रह फलां-फलां राशि पर भ्रमण कर रहा है। इसका विचार फलादेश करते समय किया जाता है। ऐसे 27 चिह्न ढूढें गये जो न चलने फिरने के कारण नक्षत्र कहलाने लगे यानि न क्षरति इति नक्षत्रम''। भचक्र के 3600 अंशों को 27 से विभाजित करने पर 130 20' का क्षेत्र नक्षत्र कहलाया। ग्रह 9 होते हैं यह हम सभी जानते हैं। ज्योतिष में इन्हीं नवग्रहों का विचार किया जाता है। सात ग्रह सात दिनों के अधिपति हैं। शेष दो ग्रह राहु व केतु हैं। सूर्य को एक नक्षत्र को पार करने में करीब-करीब पंद्रह दिनों का समय लग जाता है जबकि चंद्रमा को ऐसा करने में करीब एक दिन का समय लगता है। इस तरह चंद्रमा इन 27 नक्षत्रों को लगभग एक मास में पार कर लेता है ।

अच्छी नींद पाने के लिए रोज करें ये काम

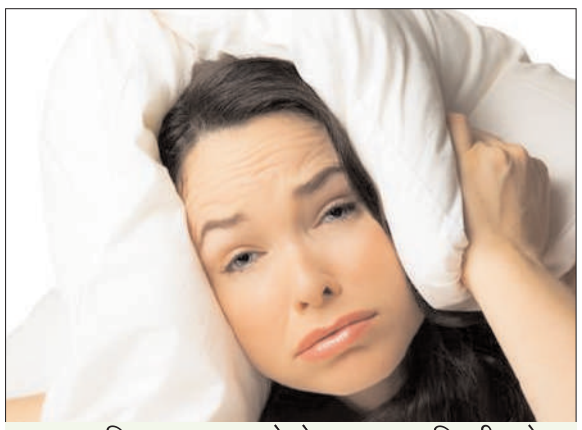

सारा दिन काम करने के बाद हर किसी को इंतजार होता की वे कब घर जाएं और रात को चैन की नींद सोएं। अच्छी नींद अच्छे स्वास्थ्य की भी निशानी होती है लेकिन कुछ लोगों की नींद बिस्तर पर जाते ही उड़ जाती है और वो रात भर जागते रहते हैं। जिस वजह से सारा दिन थकावट और सुस्ती बनी रहती है। कुछ लोग तो रात को आराम से सोने के लिए नींद की दवाइयों का भी सेवन करते हैं लेकिन कुछ छोटे-छोटे उपायों की मदद से भी नींद न आने की परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

साफ-सुथरा बिस्तर

घर चाहे छोटा हो या बड़ा बिस्तर हमेशा साफ-सुथरा ही होना चाहिए। कमरे में गंदगी होने से भी नींद नहीं आती। अपने कमरे में अपनी पसंद की चादर,शो पीस और लैंप रखें। कमरे का माहौल अच्छा होगा तो नींद भी बढ़िया आएगी।

आंखों को दें आराम

रात को देर तक मोबाइल चलाने से भी नींद पर बुरा असर पड़ता है। याद रखें कि जितने आराम की जरूरत आपको है, उतना ही आराम आंखों को भी दें। नियम बनाएं की रात के समय मोबाइल न चलाएं।

लाइफस्टाइल बदलें

कई बार आपकी कुछ आदतें भी नींद न आने का कारण बन जाती है। समय की कमी होने के कारण अगर आप सुबह योग या एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे तो शाम को जरूर एक्सरसाइज करें।

हल्का खाना खाएं

रात को हैवी खाना खाने से भी नींद न आने की परेशानी हो सकती है। रात के समय हल्का-फुल्का खाना खाएं। जिससे पेट में गैस बनने की परेशानी नहीं होगी।

सिर्फ बेस्ट फ्रेंड ही करते है आपके लिए ये काम

दोस्ती का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। हर किसी की लाइफ में कोई ऐसा दोस्त जरुर होता है जो आपके लिए सब कुछ करने को तैयार होता है। इस रिश्ते में आप कुछ भी कहने से पहले हिचकिचाते नहीं लेकिन दोस्ती करना जितना आसान होता है उतना ही निभाना मुश्किल होता है। आज हम आपको कुछ ऐसी बाते बताएगें जो आपके लिए सिर्फ आपके दोस्त ही कर सकते है।

आपको जज करना

बेस्ट फ्रेंड के साथ आप वैसे ही रहते है जैसे आप रहना चाहते है, क्योंकि वो आपको कभी जज नहीं करते। इसके अलावा वो आपको कोई भी बात करने के लिए मना भी नहीं करते है।

आपके सीक्रेट शेयर करना

आप अपने सीक्रेट किसी से भी शेयर करने से पहने कई बार सोचते है लेकिन अपने ब्स्ट फ्रेंड के सामने आप आराम से अपने सारे सीक्रेट शेयर कर सकते है। इसलिए बेस्ट फ्रेंड बहुत खास होते है।

बुरे वक्त में आते है काम

अगर आपको कभी किसी चीज की जरुरत हो तो आपको सबसे पहले आपना बेस्ट फ्रेंड ही याद आता है। आपके दोस्त भी बुरे वक्त में आपकी मदद करने के लिए फोरन चैयार हो जाते है।

सफलता में खुश होना

आपकी सफलता में किसी को खुशी हो न हो लेकिन आपके बेस्टी को सबसे ज्यादा खुशी होती है। आपके असफल होने पर भी वो आपके साथ खड़े रहकर आपकी मदद करते है।

आपकी तारीफ करना

बेस्ट फ्रेंड लोगों के सामने आपकी तारीफ करते नहीं थकते। इसके अलावा अगर कोई आपकी बुराई भी कर रहा होता है तो वो उससे भी लड़ पड़ते है। आपके बेस्ट फ्रेंड आपकी बुराई सुनना पंसद नहीं करते है।

मेकअप नहीं ये पेस्ट करेगा कमाल लाएगा चेहरे पर नई चमक...

आज का दौर तेजी का दौर है. आज हर लोग इतने व्यस्त हैं कि समय बचाने के लिए वह तरह-तरह के गैजेट यूज करते हैं. काम का बोझ इतना कि खुद का ख्याल रख पाने का भी समय नहीं मिलता. बढ़ता प्रदूषण और तनाव अच्छे भले चेहरे को मुरझाए हुए फूल सा बना सकता है. व्हाइट हेड्स, ब्लैक हेड्स ऐसी समस्याएं हैं, जिनसे छुटकारा पाया तो जा सकता है, लेकिन समय की कमी के चलते हम पार्लर ही नहीं जा पाते और इन्हें छिपाने के लिए इस्तेमाल करते हैं मेकअप का. लेकिन अगर हम आपको एक ऐसे पेस्ट या पैक के बारे में बताएं, तो कम समय लेते हुए आपकी इन समस्याओं को दूर कर देगा तो आप क्या कहेंगे... व्हाइट हेड्स और ब्लैक हेड्स हटाने के लिए आपको लोग जाने कितने तरह के उपाय बता देंगे. पार्लर वाली तो जाने कौन-कौन सी ट्रीटमेंट और पैकेज आपके सामने रखेगी. अगर आप चाहती हैं कि काम सस्ते में बने तो रुख करें अपने किचन का...

नमी देना है जरूरी

इस पैक से मसाज लेने के बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धोएं. इसके बाद टोनर का इस्तेमाल करना अच्छा साबित हो सकता है. अगर आपकी त्वचा ऑयली है या फिर आप पैक लगाने में आलस करते हैं, तो इस बात को सुनिश्चित करें कि आप कभी भी त्वचा को नमी देना न भूलें. रात को सोते समय या नहाने के बाद अपने चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं.

बेसन के साथ दही और कॉफी का कमाल...

व्हाइट हेड्स और ब्लैक हेड्स से निजात पाने के लिए एक कटोरी में दो चम्मच दही लें. इसमें इसकी आधी मात्रा में कॉफी पाउडर मिला लें और अब बेसन डाल कर अच्छे से घोल लें. जितनी भी गांठें बनी हों उन्हें हटा लें. इस पैक को चेहरे पर लगाएं. एक मिनट के बाद हल्की मसाद करें. इससे व्हाइट हेड्स और ब्लैकहेड्स दोनों ही दूर होंगे.

अब नहीं मेकअप की जरूरत...

अगर आपने दही, बेसन और कॉफी पाउडर वाला पैक लगाया है, तो अब आप कहीं भी बिना मेकअप के जा सकती हैं. अब लोग आपके व्हाइट हेड्स और ब्लैक हेड्स को नहीं आपकी दमकती त्वचा को नोटिस करेंगे.

घर में कहां रखें बांसुरी

घर में बांसुरी ऐसे स्थान पर रखनी चाहिए, जहां से वह हमेशा आसानी से नजर आती रहे। किसी दीवार पर भी सुंदर सी बांसुरी लगाई जा सकती है। इससे घर की सुंदरता में भी वृद्धि होगी। अगर घर में कोई न कोई सदस्य हमेशा बीमार रहता हो, तो उसके कमरे के दरवाजे पर व उसके सिरहाने बांसुरी का उपयोग अवश्य करना चाहिए। अगर आपको व्यापार व नौकरी में लगातार असफलता मिल रही हो या मेहनत के अनुसार फल न मिल रहा हो, तो अपने कमरे के दरवाजे पर दो बांसुरी लगाएं। अगर आप आध्यात्मिक रूप से उन्नति चाहते है, या फिर किसी प्रकार की साधना में सफलता चाहते है तो, अपने पूजा घर के दरवाजे पर भी बांसुरी लगाये, शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। लेकिन इस बात का ध्यान देना जरूरी है कि बांसुरी कभी भी सीधी नहीं लगानी चाहिए, बल्कि इसे हमेशा तिरछा लगाने से लाभ मिलता है। साथ ही बांसुरी का मुंह हमेशा नीचे रहना चाहिए। बाजार में कई प्रकार की सुंदर और मनमोहक बांसुरियां मिलती हैं। जैसे बांस की, लोहे की, स्टील की या अन्य किसी धातु की। सामान्यतया हमें घर में बांस की बनी हुई बांसुरी ही रखना चाहिए। आपके घर में बांसुरी नहीं है तो अपनी अगली शॉपिंग लिस्ट में इसका नाम भी शामिल कर लीजिए।

पुरानी साड़ियों को फैंकने की बजाए बनाए स्टाइलिश सूट

अक्सर साड़ियों के पुराने होने पर आप उसे फैंक देती है। कई बार तो आपके पास इतनी सारी साड़ियां हो जाती है कि आपको समझ नहीं आता कि क्या करें। इसके अलावा फैशन पुराना होने पर आप उसे पहनना भी पंसद नहीं करती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप अपनी पुरानी साड़ियों को फेंकने की बजाए एक नया लुक दे सकती है।

1. बनारसी या ब्रॉकेड सिल्क साड़ी

हर महिला के पास बनारसी साड़ी तो होती है लेकिन फैंशन पुराना हो जाने पर आपका उसे पहनने का दिल नहीं करता है। ऐसे में आप अपनी साड़ी को नया लुक देने के लिए डिजाइनर सूट सिलवा कर खुद को ट्रेडिशनल लुक दे सकती है।

2. प्लेन जॉर्जट साड़ी

प्लेन साड़ी को नया लुक देने के लिए आप उस पर प्रिंट करवा कर सूट सिलवा सकती है या फिर आप प्लेन कमीज बनवा कर उसके साथ प्रिंटेड सलवार ले सकती है। इसके अलावा पूरा प्लेन सूट सिलवा कर उसके साछ प्रिंटेड दुपट्टा ले सकती है।

3. पोलका डॉट्स साड़ी

इस तरह की साड़ी हर किसी के पास आराम से देखने को मिल जाती है लेकिन यह ज्यादा समय तक फैंशन में नहीं रहती है। ऐसे में आप इससे अपने लिए दुपट्टा, सूट या फिर अन्य ड्रेस बनवा सकती है।

4. प्रिंटेड साड़ियां

अक्सर आप कई तरह के प्रिंट में साड़ियां खरीद लेती है लेकिन बाद में उन्हें पहन कर आप बोर हो जाती है। अपनी उन प्रिंटेड साड़ियों से आप कुर्ते सिलवा सकती है। इसके अलावा आप इससे आप अलग-अलग तरह के डिजाइनर सूट भी सिलवा सकती है।

5. अलग-अलग रंगो वाली साड़ी

अगर आपके पास अलग-अलग रंग में साड़ी है तो उसे आप एक-दूसरे के साथ मेच करके सूट बनवा सकती है। दो अलग-अलग रंगों वाले सूट को काफी पंसद किया जा रहा है।

फायदेमंद है कोकोआ बटर

कोकोआ बटर, कोकोआ प्लांट से मिलता है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, मैंगनीज, आयरन और कॉपर जैसे गुण भरपूर मात्रा में पाये जाते हैं साथ ही इसमें सेरोटोनिन और ट्राईपटोन भी पाये जाते हैं। कोकोआ बटर आपकी त्वचा और दिमाग को तेज बनाने के लिए बेहतर होता है। इसे त्वचा में लगाने के अलावा आप इसका सेवन भी कर सकती है।कोकोआ बटर प्राकृतिक फैट है, जो कोको बीन्स से प्राप्त होती है। इसके अलावा इसे थियाब्रोंमा तेल के रूप में जाना जाता है, कोकोआ बटर का रंग हल्का पीला होता है और इसे कोको बीन्स से निकाला जाता है। मध्य और दक्षिण अमेरिका में इसकी उपज होती है और कोकोआ बीन्स का इस्तेमाल कोकोआ बटर बनाने में होता है। यह लगभग हर सौंदर्य प्रोडक्ट का सबसे लोकप्रिय घटक होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

शुष्क त्वचा के लिए फायदेमंद

कोकोआ बटर त्वचा को अच्छे से मॉश्चराइज करता है और यह न केवल अपनी त्वचा को हाइड्रेट करता है बल्कि त्वचा में भीतर से कसाव लाने में मदद करता है। यह एंटीऑक्सीडेंट का बहुत बड़ा स्रोत; कोकोआ बटर शुष्क, परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत करता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ई और विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है। इन दोनों विटामिन से चेहरे पर रौनक आती है और त्वचा सम्बंधी समस्याएं दूर हो जाती है।

होंठों के लिए बेस्ट

कोकोआ बटर होंठों के लिए भी अच्छा होता है, यह फटे और सूखें होंठों को ठीक करने में मदद करता है। इसे अपने घरेलू लिप बॉम में अन्य आवश्यक तेलों के साथ एक घटक के रूप में मिला सकते हैं। या दो बड़े चम्मच कोकोआ बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लीजिए। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला दीजिए। इसमें कोकोआ बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद ब्रश की मदद से होठों पर लगाइए। इससे आपके होंठ मुलायम हो जायेगें।

मुंह के घावों को भरें

अगर आप मुंह के छालों से परेशान हो तो कोकोआ बटर आपकी इस समस्या को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। मुंह में छाले होने पर थोड़ी सी मात्रा में कोकोआ बटर लेकर अपने छालों पर लगा लें। कुछ देर ऐसे ही रखने के बाद कुल्ला कर लें।

उम्र के निशान को कम करें

कोकोआ बटर में ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, और स्टीयरिक अम्ल सहित एंटीऑक्सीडेंट तत?व उच्च मात्रा में होने के कारण यह एजिंग के निशान को रोकता है। अध्ययन के अनुसार, कोकोआ बटर में बड़े पैमाने में पॉलीफेनोल्स होता है जो उम्र बढ़ने के संकेत को रोकता है। यह त्वचा की टोन, लोच में सुधार और त्वचा को हाइड्रेट्स कर उम्र बढ़ने के असर को धीमा करता है। अगर आप अपनी त्वचा को हमेशा जवां दिखाना चाहती है तो इसका इस्तेमाल जरूर करें।

चकत्ते, संक्रमण और जलन कम करें

अगर आप थोड़ी सी शुद्ध कोकोआ मक्खन को प्रभावित हिस्से पर लगते हो तो यइ इसे जल्द ठीक कर सकता है। हालांकि कोकोआ बटर का केवल शुद्ध रूप ही चकत्ते, संक्रमण और जलन को ठीक करने में मदद करता है क्योंकि मिलावट वाले कोकोआ बटर में अल्कोहल और सुगंध होती है जो समस्या को खराब कर सकती है।

संपादकीय

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161.69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है। देश में करीब 55 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। निर्विवाद रूप से आज के दौर में साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने, इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार के लिए लगातार नये निवेश करने की जरूरत होती है। ऐसे में दो हजार से अधिक मूल्य के व्यापारिक लेन-देन पर सीमित मात्रा में एमडीआर मॉडल बैंकों और भुगतान प्रदाताओं के लिए एक स्थायी राजस्व का तंत्र विकसित कर सकता है। वैसे हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार एमडीआर सिर्फ व्यापारियों पर ही लागू कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने पर व्यवसायी एमडीआर का कुछ हिस्से का बोझ मूल्य बढ़ोतरी के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल देंगे। ऐसे में यूपीआई और सेवा नियामक कमेटी को स्पष्टता और पारदर्शिता के आधार पर फैसला लेना चाहिए। एमडीआर की राशि का निर्धारण कुछ इस तरह किया जाना चाहिए, जिससे छोटे व्यवसायियों पर अधिक दबाव न पड़े। लोगों का आपसी लेन-देन मुफ्त ही बना रहे और साथ ही दो हजार रुपये की सीमा में बदलाव न किया जाए। आज देश में यूपीआई व्यवस्था त्वरित, सस्ती और सार्वभौमिक भुगतान सुविधा के चलते अर्थव्यवस्था की एक बड़ी ताकत बन गयी है। ऐसे में सरकार को ऐसा मॉडल तैयार करना चाहिए, जो डिजिटल पेमेंट को जनसाधारण के लिए सहज व सुलभ रखे। साथ ही उस ढांचे को आर्थिक संबल दे जिस पर यह निर्भर है।

भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0 .07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।

कुछ अलग

आत्मा की सत्ता का बोध

आदि गुरु शंकराचार्य से शास्त्रार्थ में पराजित एक धर्मगुरु के शिष्यों ने हताश होकर एक कापालिक को शंकराचार्य की हत्या के लिए भेजा। जैसे ही कापालिक ने शंकराचार्य के सामने पहुंचकर तलवार निकाली, उन्होंने कहा, 'कापालिक, तुम्हारे शरीर और मेरे शरीर में आत्मा रूपी एक ही सत्ता है। तुम किसकी हत्या करना चाहते हो?' कापालिक स्वयं धर्म शास्त्रों का पंडित था। शंकराचार्य के शब्दों ने उसकी आत्मा को झकझोर डाला। उसने तलवार जमीन पर फेंक दी तथा शंकराचार्य के चरणों में गिरकर बोला, 'महात्मन! वास्तव में मैं एक सत्ता का अस्तित्व भूलकर किसी के बरगलाने पर यह अक्षम्य अपराध करने को उद्यत हो गया था। आपके शब्दों ने मुझे 'अपने' से परिचित कराया है।' कापालिक शंकराचार्य का शिष्य बन गया और जीवनपर्यंत उनके विचारों के प्रचार के लिए समर्पित हो गया।

प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कठिन होता है तथा इनके नालियों, नदियों और समुद्रों तक पहुंचने की संभावना रहती है

कचरे के ढेर पर बढ़ते शहर

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण आर्थिक विकास, रोजगार और बेहतर जीवन-स्तर के अवसर तो पैदा कर रहा है, लेकिन इसके साथ उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। अनियोजित शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, उपभोक्तावाद और एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के बढ़ते इस्तेमाल ने शहरों में कचरे की मात्रा और विविधता दोनों को बढ़ा दिया है। अनेक शहरों में कचरे का संग्रहण, परिवहन और निस्तारण अभी भी मुख्यतः 'कलेक्ट-ट्रांसपोर्ट-डंप' मॉडल पर आधारित है। इसका परिणाम खुले में कचरा फेंकने, जलाने, जल स्रोतों के प्रदूषण, दुर्गंध, वायु प्रदूषण और लैंडफिल के बढ़ते दबाव के रूप में सामने आता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल कचरा हटाने की नहीं, बल्कि उसे संसाधन में बदलने की है। भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है। जैविक कचरे की बड़ी मात्रा भारत के लिए चुनौती के साथ अवसर भी है, क्योंकि इससे खाद और बायोगैस का उत्पादन किया जा सकता है। प्लास्टिक अपशिष्ट दूसरी बड़ी समस्या है। विशेषकर मल्टी-लेयर पैकेजिंग और एकल-उपयोग प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कठिन होता है तथा इनके नालियों, नदियों और समुद्रों तक पहुंचने की संभावना रहती है। निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाला मलबा भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें कंक्रीट, ईंट, पत्थर, टाइल, लकड़ी और धातु शामिल हैं। इसका वैज्ञानिक पुनर्चक्रण कर सड़क निर्माण तथा नए निर्माण में उपयोग किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जैव-चिकित्सीय कचरा, ई-कचरा और खतरनाक औद्योगिक कचरा विशेष सावधानी की मांग करते हैं। अस्पतालों से निकलने वाले संक्रमित पदार्थ, सुइयां, दूषित प्लास्टिक और औषधीय अवशेष यदि सामान्य कचरे के साथ मिल जाएं तो स्वास्थ्यकर्मियों, कचरा बीनने वालों और आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसी प्रकार कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे में मूल्यवान धातुओं के साथ सीसा, पारा और अन्य हानिकारक पदार्थ भी हो सकते हैं। रसायन, सॉल्वेंट, पेंट और औद्योगिक अवशेष जैसे खतरनाक अपशिष्ट को सामान्य नगरपालिका कचरे से अलग रखना आवश्यक है। इस संकट से निपटने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपाय स्रोत पर कचरे का पृथक्करण है। गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग-अलग रखने से आगे की पूरी प्रबंधन प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। जीपीएस आधारित कचरा वाहन, सेंसर युक्त स्मार्ट बिन, RFID तकनीक और डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली संग्रहण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और कुशल बना सकती हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि तकनीक नागरिक अनुशासन का विकल्प नहीं है। यदि घर और संस्थान स्तर पर कचरा अलग नहीं किया जाएगा तो अत्याधुनिक प्रसंस्करण संयंत्र भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे। जैविक कचरे के लिए कम्पोस्टिंग और बायोमिथेनेशन महत्वपूर्ण समाधान हैं। कम्पोस्टिंग के माध्यम से जैविक कचरे को उपयोगी जैविक खाद में बदला जा सकता है, जबकि एनारोबिक डाइजेशन से बायोगैस और जैविक अवशेष प्राप्त होते हैं। इससे लैंडफिल पर दबाव कम होने के साथ ऊर्जा और कृषि के लिए उपयोगी संसाधन प्राप्त होते हैं। बड़े शहरों में विकेंद्रीकृत कम्पोस्टिंग तथा बायोगैस संयंत्र परिवहन लागत और कचरे के अनावश्यक स्थानांतरण को भी कम कर सकते हैं। सूखे कचरे के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी अत्यंत उपयोगी हैं। इनमें कन्वेयर बेल्ट, चुंबकीय पृथक्करण, एयर क्लासिफायर, ऑप्टिकल सॉर्टिंग और आधुनिक सेंसर तकनीक के माध्यम से कागज, धातु और विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक को अलग किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विजन आधारित प्रणालियां भविष्य में स्वचालित छंटाई को और अधिक प्रभावी बना सकती हैं। हालांकि, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री में गीले कचरे के मिश्रण से उसकी गुणवत्ता और आर्थिक उपयोगिता कम हो जाती है। इसलिए स्रोत पर पृथक्करण इस पूरी तकनीकी श्रृंखला की बुनियादी शर्त है। प्लास्टिक कचरे के लिए यांत्रिक पुनर्चक्रण अपेक्षाकृत साफ और समान प्रकार के प्लास्टिक में प्रभावी है। कठिन प्लास्टिक के लिए कुछ रासायनिक पुनर्चक्रण तथा पायरोलिसिस तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। इनसे ईंधन अथवा रासायनिक कच्चा माल प्राप्त करने की संभावना रहती है, लेकिन इनकी ऊर्जा आवश्यकता, लागत और पर्यावरणीय प्रभाव का जीवन-चक्र मूल्यांकन आवश्यक है। केवल तकनीकी रूप से संभव होना किसी समाधान को स्वतः टिकाऊ नहीं बनाता। कचरे से ऊर्जा उत्पादन भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। नियंत्रित दहन और रिफ्यूज-डिराइव्ड फ्यूल तकनीक के माध्यम से ऐसे अवशिष्ट कचरे से ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जिसे पुनर्चक्रित या जैविक रूप से संसाधित नहीं किया जा सकता। आधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण प्रणालियां प्रदूषकों को नियंत्रित करने में सहायता करती हैं। लेकिन भारत के मिश्रित और अधिक नमी वाले नगरपालिका कचरे की ऊष्मीय क्षमता कई बार कम होती है। इसलिए बिना पृथक्करण के पूरे मिश्रित कचरे को जलाना उचित रणनीति नहीं माना जा सकता। ऊर्जा उत्पादन को पुनर्चक्रण और जैविक प्रसंस्करण का विकल्प नहीं, बल्कि उनके बाद बचने वाले अवशिष्ट कचरे के प्रबंधन का साधन माना जाना चाहिए। अंततः वैज्ञानिक लैंडफिल की आवश्यकता बनी रहती है, क्योंकि हर प्रकार के कचरे का पुनर्चक्रण संभव नहीं है। इंजीनियर्ड लैंडफिल में लाइनर, लीचेट संग्रहण, गैस कैप्चर और भूजल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं प्रदूषण को सीमित करती हैं। भारत में पुराने कचरा स्थलों के लिए बायोमाइनिंग और बायोरिमेडिएशन भी उपयोगी तकनीकें हैं, जिनके माध्यम से पुराने कचरे से पुनर्चक्रण योग्य सामग्री निकाली जा सकती है और भूमि को पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। भारत को अब रैखिक 'उत्पादन-उपयोग-फेंकने' वाली अर्थव्यवस्था से चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना होगा। 'कम उपयोग, पुनः उपयोग, मरम्मत, पुनर्चक्रण और संसाधन पुनर्प्राप्ति' को शहरी नीति का आधार बनाना होगा। उत्पादक उत्तरदायित्व, कचरा उत्पादकों पर उचित शुल्क, कचरा बीनने वालों का औपचारिक तंत्र में समावेशन, बल्क वेस्ट जनरेटर की जवाबदेही और स्थानीय निकायों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

अनियोजित शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, उपभोक्तावाद और एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के बढ़ते इस्तेमाल ने शहरों में कचरे की मात्रा और विविधता दोनों को बढ़ा दिया है। अनेक शहरों में कचरे का संग्रहण, परिवहन और निस्तारण अभी भी मुख्यतः 'कलेक्ट-ट्रांसपोर्ट-डंप' मॉडल पर आधारित है। इसका परिणाम खुले में कचरा फेंकने, जलाने, जल स्रोतों के प्रदूषण, दुर्गंध, वायु प्रदूषण और लैंडफिल के बढ़ते दबाव के रूप में सामने आता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल कचरा हटाने की नहीं, बल्कि उसे संसाधन में बदलने की है। भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है।

देश दुनिया से

इंसानी नादानी से उपजी चुनौती और हमारा दायित्व

पृथ्वी के समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाले हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण का बड़ा हिस्सा सोखकर मनुष्य, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षा प्रदान करती है। यह पृथ्वी का एक ऐसा अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसकी मौजूदगी का अहसास हमें सामान्य दिनों में नहीं होता, लेकिन इसके कमजोर पड़ने का असर पूरी जैविक दुनिया के अस्तित्व पर पड़ सकता है। आसमान की ओर देखने पर नीला विस्तार दिखाई देता है, लेकिन उस नीले आकाश के ऊपर मौजूद यह ढाल जीवन की कल्पना को संभव बनाती है। इसीलिए 16 सितंबर केवल पर्यावरण से जुड़ी एक औपचारिक तारीख नहीं है। यह उस अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और राजनीतिक प्रयास की याद दिलाता है, जिसने दुनिया को यह सिखाया कि यदि विज्ञान समय रहते खतरे की पहचान करे और सभी देश मिलकर कार्रवाई करें, तो वैश्विक पर्यावरणीय संकट को पलटा भी जा सकता है। वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया और उसके बाद ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम 'ग्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट' यानी ठंडी और अधिक टिकाऊ पृथ्वी के लिए वैश्विक कार्रवाई रखी गई है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के दस वर्ष पूरे होने से भी जुड़ी है, जिसने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन यानी एचसीएफसी और एचएफसी को चरणबद्ध रूप से कम करने और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन व्यवस्था की दिशा में दुनिया को आगे बढ़ाया है। यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतर समझना जरूरी है कि हर ओजोन परत समान नहीं होती। समतापमंडल का ओजोन हमारा रक्षक है, जबकि धरातल के पास बनने वाला ट्रोपोस्फेरिक ओजोन वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और मानव स्वास्थ्य तथा वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ती गर्मी, जंगलों की आग और वायुमंडलीय रसायन इन दोनों स्तरों की जटिलताओं को और अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कारण लगभग 99 प्रतिशत नियंत्रित ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध किया जा चुका है और वैज्ञानिक आकलन लंबे समय से ओजोन परत के पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति की पुष्टि करते रहे हैं। हालांकि, 'नेचर कम्यूनिकेशन' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग अपेक्षा से कहीं अधिक उत्सर्जन पैदा कर सकता है। यदि ये उत्सर्जन वर्तमान स्तरों पर जारी रहे, तो मध्य-अक्षांशों में ओजोन परत की रिकवरी लगभग 7 वर्ष तक पीछे खिसक सकती है। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने पूर्वी एशिया में हैलॉन-2402 नामक शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी पदार्थ के उत्सर्जन में फिर से बढ़ोतरी के प्रमाण पाए हैं। अध्ययन के अनुसार 2008 से 2023 के बीच पूर्वी एशिया से इसके उत्सर्जन का संचयी अनुमान लगभग 52 गीगाग्राम सीएफसी-11 इक्विवेलेंट रहा और 2015 के बाद इस क्षेत्र के उत्सर्जन ने वैश्विक प्रवृत्ति को प्रभावित किया है। अगस्त 2026 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि वैज्ञानिकों ने उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर लगभग 21 से 23 किलोमीटर की ऊंचाई पर असामान्य रूप से अधिक ओजोन की एक मोटी परत देखी। यह संरचना पूर्वी भारत के लिए सामान्य मात्रा से काफी अधिक थी और एक दिन से ज्यादा समय तक बनी रही। भारतीय वैज्ञानिकों ने देशभर के वायुमंडलीय रडार, मौसम गुब्बारों, उपग्रहों और वायुमंडलीय मॉडलों को एक साथ इस्तेमाल किया। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के स्वदेशी रडार सहित कई केंद्रों से मिले आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद की कि वायुमंडल में ओजोन का परिवहन किस तरह होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस घटना के पीछे ओजोन-समृद्ध वायु का परिवहन, उसके बाद नीचे की ओर वायुमंडलीय गति और वायु-द्रव्यमान का संपीड़न प्रमुख कारण थे। यह उदाहरण बताता है कि ओजोन परत कोई स्थिर, समान मोटाई वाली चादर नहीं है। वायुमंडलीय परिसंचरण, हवाएं, तापमान और रासायनिक प्रक्रियाएं लगातार इसकी संरचना और वितरण को प्रभावित करती हैं। भारत और नेपाल का पर्यावरणीय भविष्य अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। नेपाल में ऊंचाई के कारण पराबैंगनी विकिरण का सवाल विशेष महत्व रखता है। नेपाल के भैरहवा, पोखरा और लुम्ले में किए गए एक अध्ययन में यूवी इंडेक्स में उल्लेखनीय मौसमी और स्थानिक अंतर दर्ज किए गए। विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले लुम्ले और पोखरा में कुछ अवधियों के दौरान यूवी इंडेक्स काफी ऊंचा पाया गया। इसका मतलब यह नहीं कि नेपाल या हिमालय में ओजोन परत खत्म हो रही है, बल्कि संदेश यह है कि ऊंचाई, सूर्य की स्थिति, बादल, वायुमंडलीय संरचना और ओजोन की मात्रा मिलकर सतह तक पहुंचने वाले यूवी विकिरण को प्रभावित करते हैं। इसलिए हिमालयी देशों को स्थानीय यूवी निगरानी, मौसम विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारत और नेपाल के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तेजी से बदलती परिस्थितियां पैदा कर रहा है। दक्षिण एशिया में गर्मी लगातार बढ़ रही है।

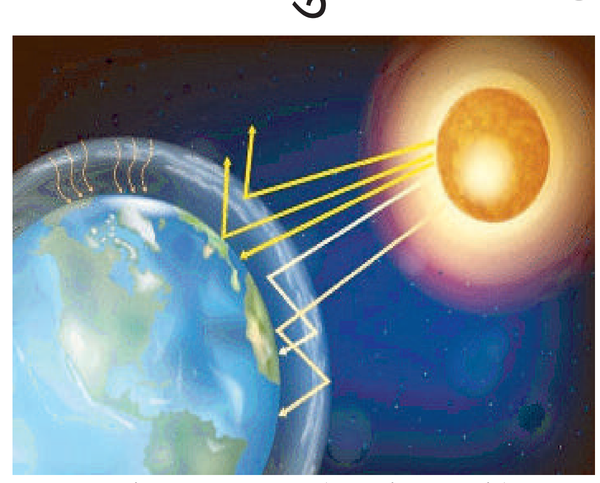

आप का नज़रिया

भारत ने दिखाया आईंना

दिखाया आईंना पर्यांवरण एवं जलवायु परिवर्तन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्‌घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले विकसित देशों की हकीकत बताते हुए इस बात की आलोचना की कि विकसित देशों के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा भारत के प्रति व्यक्ति से 6 गुना ज्यादा है किन्तु हैरानी की बात तो यह है कि विकसित प्रायः कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाल देते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत इस सच्चाईं को दुनिया के हर मंच पर बिना किसी भय एवं संकोच के दोहराता है। दरअसल प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा नवीनीकरण ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित किए जाने का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है और वह जी-20 का एक मात्र ऐसा देश है जिसने पेरिस में आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-21) में जताईं गईं अपनी प्रतिबद्धताओं को तय समय से काफी पहले पूरा कर लिया है। सच तो यह कि दुनिया यह बात बहुत अच्छे तरीके से जानती है कि भारत गैर जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता, कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर बड़ी ही वुशलता एवं सफलतापूर्वक कार्यं कर रहा है। यह सही है कि भारत की पवन ऊर्जा क्षमता और जल विद्युत क्षमता तो बढ़ी ही है साथ ही देश परमाणु ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा बिल्वुल सही है कि विकसित देश सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं और जब क्षतिपूर्ति की बात आती है तो बड़ी सफाईं से मुकर जाते हैं। इसीलिए विकसित देशों की नीयत से पृथ्वी को गंभीर खतरा हो गया है। विकासशील देशों की आवाज दबाने के लिए विकसित देशों के पास बहुत सारे हथवंडे हैं किन्तु विकसित देशों के खिलाफ आवाज उठाने वाले देशों की एकजुटता का अभाव है और यदि किसी एक-दो देशों ने आवाज उठाईं भी तो विकसित देश बड़ी बेशर्मी से उसे अनसुना कर देते हैं। असल में भारत जैसे जिन देशों ने परमाणु ऊर्जा के उत्पादन के लिए प्रयास किए हैं, उनके लिए भी मुश्किलें पैदा की जाती हैं। भारत को यूरेनियम हासिल करने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं। विकसित देशों को खासकर अमेरिका दोहरी नीति के कारण शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए भी यूरेनियम हासिल कर पाना हमारे देश के लिए मुश्किल हो जाता है। बहरहाल भारत पर्यांवरण की सुरक्षा के लिए हर तरह के तरीके अपना रहा है किन्तु मुश्किल यह है कि अमेरिका जैसा देश जो पहले भी दादागिरी करता था अब उसका राष्ट्र पति वुछ सुनने को तैयार ही नहीं। मतलब करेला नीम पर चढ़ गया है। ऐसे में भारत को किसी से कोईं उम्मीद किए बिना ईंमानदारी से पर्यांवरण संरक्षण पर तेजी से काम करना होगा। भारत की जिम्मेदारी जलवायु परिवर्तन में सुधार की स्थिति को लेकर बहुत बड़ी है किन्तु यदि स्वार्थ में अंधे विकसित देशों ने अपनी नीति में व्यापक सुधार नहीं किया तो इसका दुष्परिणाम अकेले विकासशील देश ही नहीं भुगतेंगे बल्कि विकसित देश भी तृप्त पृथ्वी की आंच से झुलसे बिना नहीं रहेंगे। इसीलिए भारत को चाहिए कि वह ईंमानदारी से जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में प्रयत्न भी करे और विकसित देशों को चेतावनी दे तथा उन्हें आईंना भी दिखाता रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाले विकसित देशों की हकीकत बताते हुए इस बात की आलोचना की कि विकसित देशों के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा भारत के प्रति व्यक्ति से 6 गुना ज्यादा है किन्तु हैरानी की बात तो यह है कि विकसित प्राय: कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाल देते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत इस सच्चाईं को दुनिया के हर मंच पर बिना किसी भय एवं संकोच के दोहराता है। दरअसल प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा नवीनीकरण ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित किए जाने का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है और वह जी-20 का एक मात्र ऐसा देश है जिसने पेरिस में आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-21) में जताईं गईं अपनी प्रतिबद्धताओं को तय समय से काफी पहले पूरा कर लिया है। सच तो यह कि दुनिया यह बात बहुत अच्छे तरीके से जानती है कि भारत गैर जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा क्षमता, कार्बन उत्सर्जन पर रोक जैसे मानकों पर बड़ी ही वुशलता एवं सफलतापूर्वक कार्यं कर रहा है। यह सही है कि भारत की पवन ऊर्जा क्षमता और जल विद्युत क्षमता तो बढ़ी ही है साथ ही देश परमाणु ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा बिल्वुल सही है कि विकसित देश सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं और जब क्षतिपूर्ति की बात आती है तो बड़ी सफाईं से मुकर जाते हैं।

दृष्टि कोण

नशा कारोबार की बड़ी मछलियों पर कसें शिकंजा

फुकेत दिल्ली फ़्लाइट के पायलट द्वारा कैनबिस (गांजा) इस्तेमाल करने की शुरुआती जांच रिपोर्ट ने भारत में भांग (चरस) के इस्तेमाल और तस्करी पर फिर से ध्यान खींचा है। एक व्यावसायिक पायलट द्वारा ऐसा उपयोग दर्शाता है कि चरस की पहुंच सुरक्षा के लिहाज़ से महत्वपूर्ण पेशे तक भी हो चुकी है। हाल ही में हुई ज़ब्ती की घटनाओं ने इस चुनौती को और उजागर किया है। खबरों के मुताबिक, तमिलनाडु की तांबरम सिटी पुलिस ने 135 किलोग्राम से ज़्यादा गांजा ज़ब्त किया, जिसे ओडिशा से भेजा गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ओडिशा की सोनपुर और कंधमाल जिला पुलिस ने भी ट्रकों से लगभग 23,000 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया है। असम और त्रिपुरा से भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की खबरें आई। मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर भी भारी मात्रा में ज़ब्ती की गयी। मुंबई के बोरीवली में हाइड्रोपोनिक तरीके से कैनबिस उगाने का पता चला। हम देखते हैं कि भारत के विभिन्न हिस्सों में विविध प्रकार के चरस उत्पादों की भारी ज़ब्ती हो रही है, और तस्कर इन्हें लाने-ले जाने और वितरण के अलग-अलग ढंग अपना रहे हैं। भारत हर साल टनों के हिसाब से गांजा ज़ब्त करता है और हज़ारों उपयोगकर्ताओं पर कार्रवाई की जाती है। तथापि, आंकड़े बताते हैं कि हम गलत लड़ाई लड़ रहे हैं-एक बड़ी चुनौती, जो वैश्विक व्यापारिक हितों से प्रेरित है, आने वाली है। अब इस पर ध्यान देने का सही समय है। 'विश्व मादक द्रव्य रिपोर्ट-2026' (जिसे सयुंक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मादक द्रव्य एवं अपराध विभाग प्रकाशित करता है) कुछ हफ़्ते पहले ही प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट की मुख्य बातें हैं। सर्वप्रथम, आज भी दुनिया में सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाला नशीला पदार्थ गांजा है। साल 2024 में 25.6 करोड़ लोग गांजे का उपयोग करते बताए गए हैं, जो किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करने वालों से ज़्यादा है; यह संख्या 15 से 64 साल की उम्र के लोगों की वैश्विक आबादी का 4.8 प्रतिशत बनती है। पिछले दशक में गांजे का सेवन करने वालों की संख्या 40 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ी। दूसरा, 'गांजे की खेती दुनिया के लगभग हर देश में होती है'। ज़्यादातर तस्करी क्षेत्रीय स्तर पर होती है। लेकिन अंतर-क्षेत्रीय तस्करी बढ़ रही है। उत्तरी अमेरिका ऐसी तस्करी का बढ़ता हुआ स्रोत है। तीसरा, ज़्यादा असरकारी गांजा उत्पादों की बड़ी रेंज बाज़ार में आ रही है। चौथा, दिसंबर 2025 तक, उरुग्वे, कनाडा और अमेरिका के 28 इलाकों में गैर-मेडिकल कामों के लिए भांग की खेती, उत्पादन, बिक्री और उसे अपने पास रखने की इजाज़त दे दी गई है। चेक गणराज्य, जर्मनी, लक्ज़मबर्ग और माल्टा ने भी कुछ ऐसा ही किया। 'हालांकि, हालिया वर्षों में, नशीले पदार्थों के गैर-मेडिकल इस्तेमाल को नुकसानदेह माना जाने लगा है, जो उत्तरी अमेरिका में लोगों की बदलती सोच में झलकता है'। अंततः भांग तस्करी और इस्तेमाल वैश्विक चुनौती बना हुआ है। भारत के नशा नियंत्रण ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक : पहली बात, 2025 में 1.38 लाख एकड़ में भांग के पौधों को नष्ट किया गया, जो पिछले पांच सालों में सर्वाधिक है। दूसरी बात, गांजे से जुड़े 71,612 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले 5 सालों में सबसे ज़्यादा हैं। 628 हजार किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया, जो 2024 से तो ज़्यादा था लेकिन 2021 और 2022 से कम था। तीसरी बात, 2021-25 के दौरान हशीश के मामलों की क्षेत्रवार संख्या 2,416 से 3,255 के बीच रही। हालांकि, पिछले पांच सालों में हशीश की ज़ब्ती में काफी उतार-चढ़ाव हुआ, इस उतार-चढ़ाव पर नशा नियंत्रण ब्यूरो टिप्पणी यकीन से नहीं कर रहा– 'शिनाख्त कम हुई या तस्करी के ढंग में संभावित बदलाव आया'। चौथी बात,हाइड्रोपोनिक गांजे (ज़्यादा असरदार, पोषक तत्वों से भरपूर) की तस्करी से बढ़ी है, खासकर महानगरों में। मामलों और ज़ब्त की गई मात्रा, दोनों बढ़ी हैं; 2025 में 862 किलोग्राम ज़ब्त किया गया और 687 केस दर्ज किए गए, जो बीते चार साल (2021- 24) की कुल ज़ब्ती और मामलों से भी ज़्यादा है। यानी भांग की ज़ब्ती और नष्ट करने की कार्रवाई पहले के मुकाबले अधिक बनी हुई है।

शिवम दुबे ने खोले बचपन के राज, रसोइये और पिता ने पहचाना टैलेंट

नई दिल्ली

भारतीय टीम के स्टार आलराउंडर शिवम दुबे ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बचपन और क्रिकेटर बनने के सफर के दिलचस्प राज खोले। 2024 और 2026 में लगातार दो बार भारतीय क्रिकेट टीम के साथ टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाले शिवम ने बताया कि कैसे उनके घरेलू रसोइये और बाद में उनके पिता ने उनके अंदर के क्रिकेटर को पहचाना।

शिवम ने याद करते हुए बताया कि उनके क्रिकेटिंग सफर की शुरुआत उनके रसोइये की बदौलत हुई, जिसने उनके लंबे छक्के देखकर बाल फेंकने से इनकार कर दिया था। शिवम दुबे ने कहा, मेरे कुक ने दो-तीन बार मुझे बालिंग कराई है। फिर उसने मुझे बालिंग करनी बंद कर दी। मैंने फिर पापा को बोला कि मेरे साथ ये नहीं खेलता है।

फिर पापा ने कुक को डांटा। कुक ने बताया कि ये बहुत दूर-दूर मारता है मैं थक जाता हूं तो फिर खाना कैसे बनाऊंगा। फिर पापा ने बोला कि मेरे सामने बालिंग कराओ उसे। मैंने भी पापा के सामने जोर से मारा, पता नहीं पापा ने मुझमें ऐसा क्या पहचाना कि उन्होंने तभी मुझे क्रिकेटर बनाने की ठान ली थी।

शिवम ने आगे बताया कि जब वह 22 साल के हुए तब भी उन्हें यकीन नहीं था कि वह क्रिकेटर बनेंगे, लेकिन उनके पापा को पांच साल की उम्र से ही लगा था कि वह क्रिकेटर बनेंगे।

शिवम के आलराउंडर बनने की कहानी भी दिलचस्प है। बकौल शिवम वह इसलिए आलराउंडर बने ताकि अगर बैटिंग में नहीं चल पाए तो बालिंग से विकेट निकालकर टीम में अपनी जगह पक्की रख सकें।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी-20 में खराब फील्डिंग के कारण हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर शिवम ने बेबाकी से कहा कि कोई भी फील्डर जानबूझकर गेंद या कैच नहीं छोड़ता। सभी पूरी कोशिश करते हैं कि गेंद को रोका जाए, लेकिन कभी-कभी ऐसा नहीं हो पाता है। ड्रेसिंग रूम के माहौल को शिवम दुबे ने खुशनुमा बताया और रोहित शर्मा व विराट कोहली को बड़े भाई करार दिया। उन्होंने कहा कि दोनों से कभी डर नहीं लगा बल्कि बड़े भाई या दोस्त की फीलिंग आई।

शिवम ने अपने सफल इंटरनेशनल करियर के पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को क्रेडिट दिया और आईपीएल में बढ़िया करने के लिए महेंद्र सिंह धोनी की तारीफ की। इतना ही नहीं, उन्होंने गौतम गंभीर को मैदान पर गंभीर, लेकिन ग्राउंड के बाहर मस्तीखोर कहने से भी वह नहीं हिचकिचाए, जिससे भारतीय क्रिकेट के भीतर के सौहार्दपूर्ण माहौल का पता चलता है।

न्यूज ब्रीफ

एशियन गेम्स में पाकिस्तान का भी पहला मेडल पक्का

नई दिल्ली:

पाकिस्तान के फाइटर असीम खान ने एशियाई खेलों के पुरुष मॉडर्न -60 किग्रा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। रविवार को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए एकतरफा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में असीम ने कंबोडिया के सोपन्हा फेंग को 3-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत के साथ ही असीम खान ने भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के लिए जारी एशियन गेम्स में पहला पदक पूरी तरह पक्का कर दिया है।

रिंग में अपने आक्रामक और सधे हुए प्रदर्शन के दम पर अंतिम 4 में पहुंचे असीम का मुकाबला अब सोमवार को होने वाले सेमीफाइनल में तजाकिस्तान के मिर्जोबेक उमरोव से होगा।

इस वर्ग में कुल दस फाइटर्स ने हिस्सा लिया था जिसके चलते सेमीफाइनल में पहुंचते ही उनका कम से कम कांस्य पदक सुरक्षित हो गया है। अगर वह सोमवार का मुकाबला जीतने में सफल रहते हैं तो वे सीधे गोल्ड मेडल के मुकाबले में प्रवेश कर जाएंगे।

एशियाई खेलः सुचिका तारियाल ने पदक पक्का किया, एमएमए के सेमीफाइनल में पहुंचीं

आइची-नागोया। भारत की सुचिका तारियाल ने रवि को 2026 एशियाई खेलों में महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना पदक पक्का कर लिया। उन्होंने मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराया। 36 वर्षीय सुचिका की इस जीत के साथ कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित हो गया है। अब वह फाइनल में जगह बनाने के लिए सिंगापुर की हुई हून तेओ या ईरान की अरेजू सलीमिगालेहताकी में से किसी एक का सामना करेंगी। मिश्रित मार्शल आर्ट्स इस बार एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाली छह खेल विधाओं में शामिल है। इसके अलावा फ्रीस्टाइल बीएमएक्स, टैकबाल, पैडल, सर्फिंग और वर्चुअल ताइक्वांडो भी पहली बार एशियाई खेलों का हिस्सा हैं।

आस्ट्रेलिया के ब्रेंडन डागेट का भारत दौरे पर फोकसः टेस्ट टीम में जगह बनाना

चेन्नई। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेंडन डागेट अगले साल भारत में होने वाली प्रतिष्ठित बार्डर-गावस्कर ट्राफी के लिए आस्ट्रेलिया की सीनियर टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने की उम्मीद के साथ भारत ए के खिलाफ आगामी सीरीज में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं।

चेन्नई में चल रही आस्ट्रेलिया ए टीम के साथ भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों की सीरीज उनके लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी का एक महत्वपूर्ण मंच है। फरवरी में लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर क्रिकेट में वापसी कर रहे डागेट, जो पिछले घरेलू सत्र में आस्ट्रेलिया के लिए दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं, इस दौरे को अपनी फिटनेस और फार्म साबित करने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, डागेट ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का हिस्सा बन पाऊंगा। मेरा मानना है कि एक आस्ट्रेलियाई के तौर पर यह सबसे बड़ी सीरीज में से एक है। मैंने भारत में टेस्ट क्रिकेट देखते हुए ही बड़ा हुआ हूं। उन्होंने आगे कहा कि भारत में खेलना वास्तव में बहुत मेहनत और आस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड में मिलने वाली चुनौतियों से बिल्कुल अलग है। अपनी फिटनेस पर बात करते हुए डागेट ने पुष्टि की कि उनका शरीर अभी तक ठीक चल रहा है और वह इंडिया ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने और कुछ टेस्ट क्रिकेट खेलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया, मैं शायद पिछले दो महीनों से पूरी तरह फिट होकर दौड़ रहा हूं। सब कुछ अच्छा लग रहा है और नियंत्रण में है। घर पर सर्दी बिताने के बाद, यहां के हालात बहुत अलग होने वाले हैं। हमने गर्मी से थोड़ा तालमेल बिठाने का काम किया है।

युवराज सिंह के छह छक्कों की बराबरी में लगे 14 साल, कीरोन पोलार्ड ने दोहराया था कारनामा

नई दिल्ली

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाने का रिकार्ड जब युवराज सिंह ने बनाया था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई दूसरा बल्लेबाज इसकी बराबरी कर पाएगा। युवराज ने वर्ष 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ एक ओवर की छह गेंदों पर छह छक्के लगाकर क्रिकेट जगत में इतिहास रचा था। उनके इस कारनामे की बराबरी करने में दूसरे खिलाड़ी को करीब 14 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड ने वर्ष 2021 में यह उपलब्धि हासिल कर युवराज के रिकार्ड की बराबरी की।

युवराज सिंह ने यह ऐतिहासिक कारनामा पहले टी20 विश्व कप के दौरान किया था। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले युवराज शानदार फार्म में नहीं थे। टूर्नामेंट में इससे पहले खेले गए तीन मुकाबलों में उनके बल्ले से महज छह रन निकले थे। स्काटलैंड के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह एक और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच रन बनाकर आउट हुए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में युवराज ने हालांकि आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी शुरू की। एंड्र्यू फ्लिंटाफ के साथ मैदान पर उनकी कहासुनी भी हुई। इसके बाद युवराज ने अपना गुस्सा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड पर निकाला। पारी के 19वें ओवर में युवराज ने ब्राड की लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिए। इस तरह वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। इस रिकार्ड की बराबरी करने के लिए 14 साल बाद कीरोन पोलार्ड सामने आए। वर्ष 2021 में श्रीलंका के खिलाफ पोलार्ड ने भी लगातार छह गेंदों पर छह छक्के लगाए और युवराज के ऐतिहासिक कारनामे की बराबरी कर ली। चूंकि एक ओवर में छह ही गेंदें होती हैं, इसलिए इस रिकार्ड को तोड़ना संभव नहीं है, बल्कि इसकी बराबरी ही की जा सकती है।

इसके बाद इस सूची में नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और समोआ के डेरियस विसर का नाम वर्ष 2024 में जुड़ा। वर्ष 2025 में बुल्गारिया के मनन बशीर ने यह उपलब्धि हासिल की। वर्ष 2026 में नेपाल के कुशल भुर्टेल भी एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए।

आंकड़ों में वैभव सूर्यवंशी से भी खतरनाक हैं अभिषेक शर्मा, गेंदबाजों को देते हैं तबाही

नई दिल्ली। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैचों की टी-20 सीरीज के समापन के बाद, एक खिलाड़ी जिसका नाम हर तरफ गूंज रहा है, वह हैं अभिषेक शर्मा। उन्होंने सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में सिर्फ 30 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया और पहले मुकाबले में भी 82 रनों की दमदार पारी खेली थी। अभिषेक ने पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर आफ द सीरीज का अवार्ड भी अपने नाम किया। हालांकि, जब भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर थी, तब 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन जब उनके आंकड़ों की गहराई से तुलना की जाती है, तो अभिषेक शर्मा वैभव सूर्यवंशी से भी कहीं अधिक खतरनाक और प्रभावी नजर आते हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी सीरीज में प्लेयर आफ द सीरीज रहे, लेकिन उनके आंकड़ों में बहुत बड़ा फर्क देखा गया। जो काम वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे की सीरीज में नहीं कर पाए थे, अभिषेक शर्मा ने भारतीय सरजमीं पर दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में कर दिखाया। जहां वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे में अपने तीन मैचों में 200 के स्ट्राइक रेट को पार नहीं कर पाए थे और उनका स्ट्राइक रेट 196.10 रहा था, वहीं अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 269.41 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जो अपने आप में एक असाधारण आंकड़ा है। इसी तरह, उस सीरीज में वैभव सूर्यवंशी तीन पारियों में 200 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे, लेकिन अभिषेक शर्मा ने उतनी ही पारियों में 200 से ज्यादा रन (कुल 229 रन) बना दिए। अभिषेक शर्मा ने 76.33 की कमाल की औसत के साथ रन बनाए, जबकि जिम्बाब्वे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी की औसत 50.33 की रही थी। बाउंड्री की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी ने उस सीरीज में सिर्फ 15 चौके और 9 छक्के लगाए थे, वहीं अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में 18 चौके और 22 छक्के जड़ दिए हैं। इन दोनों सीरीजों में दोनों बल्लेबाजों की तुलना करने पर साफ जाहिर होता है कि जब अभिषेक शर्मा अपने रौद्र रूप यानी फुल फार्म में होते हैं, तो वे वैभव सूर्यवंशी से भी कहीं ज्यादा विस्फोटक और गेंदबाजों के लिए विध्वंसक साबित होते हैं।

एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में अमेठी से चुने गए सलमान खान

अमेठी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के खेल जगत के लिए गौरव का क्षण है। अमेठी के प्रतिभावान खिलाड़ी सलमान खान का एशियाड-2026 के लिए भारतीय रोइंग टीम में चयन हुआ है। उनके चयन की खबर मिलते ही खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और जिले के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। सलमान खान के चयन को अमेठी की खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सलमान खान ने अपनी मेहनत, लगन और लगातार अभ्यास के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। भारतीय रोइंग टीम में स्थान हासिल करना उनके खेल करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

एशियाड-2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने से जिले के खिलाड़ियों में भी उत्साह का माहौल है। खेल प्रेमियों का मानना है कि सलमान का चयन अमेठी के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

सलमान खान के चयन पर जिले के खेल जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें

शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की कामना की है। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक शिवकुमार मौर्य, अंतरराष्ट्रीय एथलीट सूबेदार राहुल पाल, राष्ट्रीय खिलाड़ी डा. अब्दुल हमीद, खेल प्रशिक्षक एम.ओ. आसिफ, एम.ओ. नदीम, राकेश कनौजिया, पंकज दूबे, शहादत, राकेश कश्यप, महेन्द्र पाल, एम.ओ. शकील, प्रधानाचार्य रेखा सिंह तथा जितेन्द्र कुमार सहित अन्य खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों ने सलमान खान को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

खेल जगत से जुड़े लोगों ने कहा कि सलमान की उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है। उनके चयन से अमेठी में रोइंग समेत अन्य खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ने की उम्मीद है। खिलाड़ियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना प्रत्येक खिलाड़ी का सपना होता है और सलमान ने अपनी प्रतिभा व परिश्रम के बल पर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

अब अमेठी के खेल प्रेमियों की निगाहें एशियाड-2026 में सलमान खान के प्रदर्शन पर टिकी हैं। उम्मीद है कि वह अपनी मेहनत, अनुभव और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करेंगे और अमेठी के साथ-साथ भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर रोशन करेंगे।

एशियन गेम्स के पहले दिन भारत को दो रजत

दोनों राइफल शूटिंग में आए, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भी पदक पक्का

आइची-नागोया।

भारत ने 20वें एशियन गेम्स के पहले दिन दो रजत पदक जीत लिए हैं। दोनों पदक 10 मीटर राइफल शूटिंग में आए। वहीं, तैराकी और वुशु में भारत पदक जीतने से चूक गया।

रविवार को एलावेनिल वलारिवन ने 10 मीटर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में 252.4 अंक के साथ रजत पदक जीता। वह मात्र 0.6 अंक से स्वर्ण पदक से चूक गईं। जापान की हिनाता ताइची ने 253.0 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले भारतीय महिला टीम ने 1898.0 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। टीम में एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदारसा विनोद शामिल रहीं।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भी भारत का पदक पक्का हो गया है।

हैदराबाद के 5 युवा फुटबॉलरों ने अमेरिका में भारत का प्रतिनिधित्व किया

हैदराबाद । हैदराबाद के पांच युवा फुटबॉलरों अक्षान, आदित्य, अर्जुन, जासिम नवाज खान और सैफ कुरैशी ने अमेरिका के कैरोलिना में आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा फुटबॉल टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर शहर का नाम रोशन किया। ग्रासहॉपर स्पोर्ट्स इंडिया की ओर से आठ दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल दौरे पर गए इन खिलाड़ियों ने ब्राजील, पुर्तगाल, फ्रांस, इटली, जापान, इक्वाडोर, नॉर्वे, स्वीडन और अमेरिका सहित विभिन्न देशों की युवा टीमों के खिलाफ अपने खेल का प्रदर्शन किया।

राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे, शमशाबाद में खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए ग्रासहॉपर स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट इन्कॉरपोरेशन्स के प्रबंध निदेशक आगा मुजफ्फरुद्दीन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ प्रदर्शन किया तथा इस अनुभव से उनके खेल के विकास में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

ग्रासहॉपर स्पोर्ट्स इंडिया के अनुसार, इस तरह के अंतरराष्ट्रीय अवसर युवा खिलाड़ियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और खेल की व्यापक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्था का उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं को तलाशकर उन्हें प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीखने के अवसर उपलब्ध कराना है।

हैदराबाद में 50 क्षेत्रों में 131 से अधिक फुटबॉल अकादमियां, प्रशिक्षण कक्षाएं, कोचिंग कार्यक्रम और सुविधाएं संचालित हो रही हैं। तेलंगाना फुटबॉल एसोसिएशन के एआईएफएफ तंत्र में 90 स्वीकृत क्लब, 3,698 पंजीकृत खिलाड़ी, 258 कोच और 11 पंजीकृत जिले शामिल हैं। एआईएफएफ-फीफा तेलंगाना टैलेंट अकादमी की स्थापना से राज्य में प्रतिभाशाली युवा फुटबॉलरों के लिए प्रशिक्षण और आगे बढ़ने का मार्ग भी मजबूत हुआ है।

50 की उम्र में भी संभाली टीम की कप्तानी, इन दिग्गजों ने उम्र को बनाया महज आंकड़ा

नई दिल्ली

क्रिकेट के डेढ़ सौ साल से अधिक लंबे इतिहास में कप्तानी हमेशा चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी रही है। खासकर तब, जब खिलाड़ी उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चुका हो, जहां आमतौर पर क्रिकेटर संन्यास लेने के बारे में सोचने लगते हैं। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में कुछ ऐसे दिग्गज भी हुए, जिन्होंने बढ़ती उम्र को अपनी राह में बाधा नहीं बनने दिया।

इन खिलाड़ियों ने 40 और 50 वर्ष की उम्र में भी अपनी राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी की और इतिहास में खास जगह बनाई। इस सूची में सबसे पहला और सबसे उल्लेखनीय नाम इंग्लैंड के महान क्रिकेटर डब्ल्यू. जी. ग्रेस का आता है। 1 जून 1899 को नाटिंघम में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए टेस्ट मैच में ग्रेस ने इंग्लैंड की कप्तानी की थी।

उस समय उनकी उम्र 50 साल 320 दिन थी। इस उम्र में कप्तानी करने वाले वह टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे उम्रदराज कप्तान बने। उनका यह रिकार्ड आज भी कायम है। ग्रेस का यह मुकाबला टेस्ट इतिहास का 60वां मैच था।

इसके करीब पांच दशक बाद इंग्लैंड के ही गबी एलन ने भी अपनी उम्र और अनुभव का परिचय दिया। 27 मार्च 1948 को किंग्स्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में एलन ने इंग्लैंड की कप्तानी की। उस समय उनकी उम्र 45 साल 245 दिन थी।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के दौर में उन्होंने अपने अनुभव के जरिए टीम का नेतृत्व किया। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का 298वां मुकाबला था। इससे एक साल पहले इंग्लैंड के महान बल्लेबाज वाली हैमंड ने भी बढ़ती उम्र में टीम की कमान संभाली थी।

21 मार्च 1947 को क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट में हैमंड 43 साल 279 दिन की उम्र में कप्तान बने। यह टेस्ट इतिहास का 284वां मुकाबला था। अपनी बल्लेबाजी और

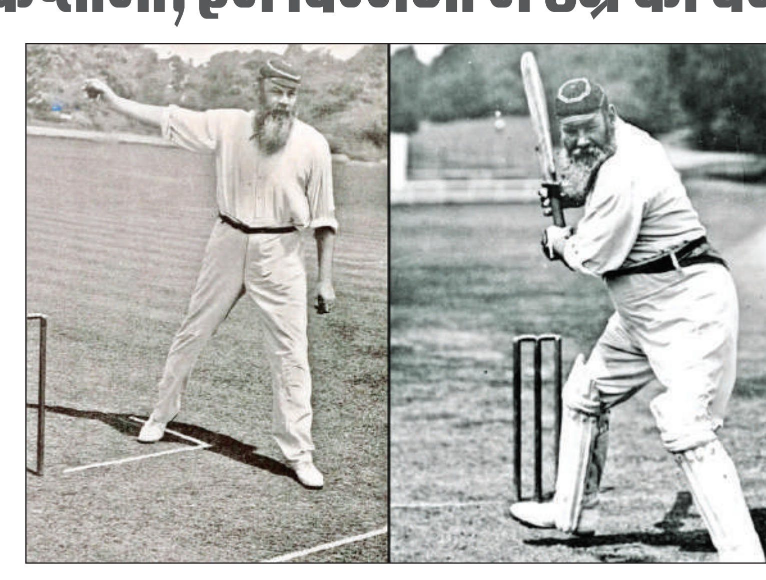

कप्तानी के लिए मशहूर हैमंड ने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना प्रभाव बनाए रखा।

आस्ट्रेलिया के वारेन बार्ड्सले भी इस सूची में शामिल हैं। 24 जुलाई 1926 को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट में उन्होंने आस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। उस समय उनकी उम्र 43 साल 233 दिन थी। एशेज जैसी प्रतिष्ठित सीरीज में इतनी उम्र में टीम का नेतृत्व करना उनके अनुभव को दर्शाता है।

आधुनिक दौर में पाकिस्तान के मिस्बाह-उल-हक ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। 10 मई 2017 को रोजो में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच में उन्होंने 42 साल 351 दिन की उम्र में पाकिस्तान की कप्तानी की। मिस्बाह ने अपने अनुभव और अनुशासित नेतृत्व के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अलग पहचान बनाई। इन सभी खिलाड़ियों के करियर यह दिखाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में अनुभव और नेतृत्व क्षमता कई बार उम्र की सीमाओं से कहीं आगे निकल जाती है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अग्रवाल समाज महिला उत्सव की तैयारियों को लेकर भव्य बैठक आयोजित

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी 7 अक्टूबर को महिला उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महिला उत्सव को सफल, आकर्षक एवं यादगार बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज राघव रत्ना टावर्स की 10वीं मंजिल पर महिला सदस्यों की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में अग्रवाल समाज की विभिन्न शाखाओं से बड़ी संख्या में महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कार्यक्रम को लेकर अपने सुझाव और विचार साझा किए।

बैठक के दौरान महिला उत्सव के आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विभिन्न शाखाओं की सहभागिता तथा कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सभी शाखाओं की महिलाओं ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपनी-अपनी शाखाओं की ओर से विशेष प्रस्तुतियां तैयार करने को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की भवन मंत्री डॉ. सीमा जैन ने बैठक का मार्गदर्शन करते हुए महिला उत्सव की विस्तृत रूपरेखा सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं भव्य रूप देने के लिए विभिन्न समितियों एवं शाखाओं के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष जोर दिया। डॉ. सीमा जैन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों, प्रस्तुतियों के क्रम, प्रतिभागियों की जानकारी तथा मंचीय व्यवस्थाओं सहित आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सदस्यों के साथ चर्चा की।

उन्होंने कहा कि महिला उत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की महिलाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सहभागिता को एक सशक्त मंच प्रदान करने का अवसर है। समाज की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं और ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने तथा एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलता है।बैठक में उपस्थित महिलाओं ने भी कार्यक्रम को लेकर अपने सुझाव दिए तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं गतिविधियों को लेकर आपसी विचार-विमर्श किया। विभिन्न शाखाओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों को आकर्षक एवं विषयानुकूल बनाने पर भी चर्चा हुई।

महिला उत्सव में समाज की विभिन्न शाखाओं की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता और महिला प्रतिभा को प्रमुखता देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए आने वाले दिनों में विभिन्न स्तरों पर तैयारियों को और गति दी जाएगी तथा शाखाओं के साथ निरंतर समन्वय किया जाएगा।बैठक में महिलाओं में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी ने एकजुट होकर महिला उत्सव को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह महिला उत्सव अग्रवाल समाज की महिलाओं की एकता, प्रतिभा और सहभागिता का विशेष उत्सव बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बजरंग सेना तेलंगाना के कार्यालय में पूजा एवं महा आरती का आयोजन

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):
ईश्वर के दिव्य आशीर्वाद से काचीगुड़ा कार्यालय में पूजा एवं महा आरती का आयोजन पूर्ण भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. आर. लक्ष्मण राव के मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया गया। इस पावन अवसर पर राघव, अभिनय तिवारी, रामेश्वर मिश्रा, प्रवीण यादव, संजय दायमा, कोंडल रेड्डी, नरेश तथा शिवसेना के प्रदेश सचिव श्री सुदर्शन उपस्थित रहे और सभी ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

ईश्वर से यही प्रार्थना है कि उनका दिव्य आशीर्वाद आप सभी और आपके परिवारों के जीवन में शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, एकता और खुशहाली लाए।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की मासिक मेल-मिलाप सभा में शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सह-सचिव विजय कुंच्छल, कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल एवं अनिल गर्ग, मासिक सभा के संयोजक अजय गुप्ता सहित पदाधिकारी, सदस्य एवं परिजन उपस्थित रहे।

नया फेस रिकग्निशन सिस्टम प्रणाली शुरू

कामारेड्डी, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला इंटरमीडिएट नोडल अधिकारी शेख सलाम ने बताया कि जिले के सरकारी जूनियर कॉलेजों में नई चेहरा पहचान प्रणाली शुरू की गई है।

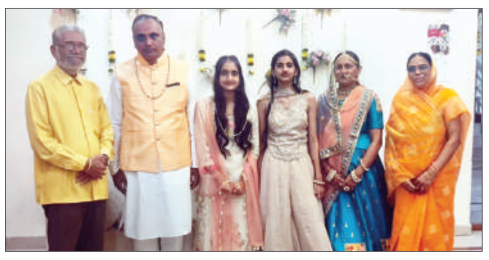

आठ उपवास की तपस्या करने वाले तपस्वियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्री पंकज ओस्तवाल, गिनी ओस्तवाल, विधि ओस्तवाल एवं रिया ओस्तवाल द्वारा की गई तपस्या की मंजुला मुनोत एवं प्रेमचंद मुनोत ने अनुमोदना करते हुए तपस्वियों का अभिनंदन किया। उन्होंने तपस्वियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके तप की सराहना एवं अनुमोदना की।

सिरोही जैन संघ की ओर से खमत खामना समारोह संपन्न

श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ आयोजन, तपस्वियों का किया बहुमान

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिरोही जैन संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से खमत खामना समारोह सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह के दौरान धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि समारोह में श्री नेमिनाथ भगवान, पद्मावती माता एवं अंबे माता की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना, आरती एवं मंगल दीपक किया गया। भक्ति-भाव से पूरा वातावरण धर्ममय बना रहा। इस अवसर पर सभी तपस्वियों का बहुमान कर उनकी तपस्या की अनुमोदना की गई।

टेम्पल रन में विजेता टीम 'नारी शक्ति' ने सर्वाधिक 72 मंदिरों के दर्शन किए। इसके अलावा खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। विभिन्न खेलों के विजेताओं का उत्साहपूर्वक बहुमान कर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित सभी समाजबंधुओं के लिए स्नेहपूर्वक स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी की गई।

श्री नेमीचंदजी मगनलालजी वडेरमुथा, हैदराबाद-जालोर जैन मंदिर एवं गौ निवास के संस्थापक, ने पूरे कार्यक्रम में समर्पित भाव से सेवा प्रदान की। वे सदैव सेवा-भावना से जुड़े रहते हुए मंदिर, गौशाला तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में श्रद्धापूर्वक अपना सहयोग प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन सोनाली सिंधी एवं मीना चौधरी ने किया। इस अवसर पर सिरोही संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र मोदी, सचिव प्रतीक चौधरी एवं कोषाध्यक्ष राजेश सिंघवी सहित समिति के सभी सदस्य एवं संघ के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। भूतपूर्व संघ अध्यक्ष निरंजन बाफना, रमेश सिंघी, रमेश पी. तातेड एवं महेंद्र मोदी की भी उपस्थिति रही।

समारोह की सफलता के लिए संघ की ओर से अध्यक्ष शैलेन्द्र मोदी एवं उनकी पूरी टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

19 सितंबर 2026 को प्रेमलता-प्रहलादजी मिलापचंदजी जैन, सिरोही परिवार के निवास स्थान पर तथा भंसाली परिवार की ओर से अठाई तपस्वी श्रुति जैन का बहुमान कर उनकी तपस्या की अनुमोदना की गई। इस अवसर पर गीतों के कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा आहार व्यवस्था का लाभ लिया गया।

प्रो. विवेकानंद तिवारी द्वारा लिखित दो पुस्तकों 'गौ भक्त पंडित मदन मोहन मालवीय' एवं 'भारतीय संस्कृति के आधारभूत तत्व' का विमोचन शारदा सर्वज्ञ पीठ, पीओजेके, इंडिया के पीठाधीश्वर स्वामी अमृतानंद जी की उपस्थिति में ए.के. वाजपेयी, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (इंटेलिजेंस) द्वारा किया गया।

मंचेरियाल में भव्य 5के-10के रन का आयोजन

मंचेरियाल, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा भारती के तत्वावधान में रविवार को आईबी चौरास्ता से भव्य 5के-10के रन का आयोजन किया गया। सेवा भारती के प्रदेश सदस्य एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेल्ली ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। 'फिट मंचेरियाल' के संदेश के साथ आयोजित इस दौड़ में युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, वॉकर्स, रनर्स, डॉक्टरों तथा सरकारी और निजी कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर रघुनाथ वेराबेल्ली ने स्वस्थ जीवन के लिए प्रतिदिन फिटनेस, योग, खेल और दौड़ को दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गौ सेवा एवं अन्नदान

मंचेरियाल, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा प्रत्येक अमावस्या पर गौ सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा वेद मंत्रों एवं गौ सेवा मंत्रों का पाठ कर गौ पूजन किया जाता है तथा गौ माता को हरा चारा, गुड़ और रोटियां खिलाई जाती हैं। इसके बाद जरूरतमंदों को अन्नदान किया जाता है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में सनातन संस्कृति, जीवदया एवं सामाजिक सेवा के संस्कार विकसित करना है। समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं एवं गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

पूर्व एमपीपी प्रज्ञा कुमार के निधन पर शोक

मदनूर, 17 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के पूर्व एमपीपी प्रज्ञा कुमार का बीमारी के कारण निधन हो गया। रविवार को जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के एमआरपीएस के वरिष्ठ नेता सूर्यवंशी यादव मडिगा गायकवाड़ ने उनके आवास पर पहुंचकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और सांत्वना दी। उन्होंने दिवंगत प्रज्ञा कुमार की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर विजय, बोडके हनमंत, लच्छन मारोथी, भीमराव, लक्ष्मण, लिंबूर यादव, शांतापुर रवि सहित अन्य एमआरपीएस नेता उपस्थित रहे।

श्री गुरु विश्वनाथ महाराज सप्ताह उत्सव में उमड़े श्रद्धालु

मदनूर, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गुरु विश्वनाथ महाराज का पवित्र समाधि स्थल मदनूर स्थित मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री गुरु विश्वनाथ महाराज सप्ताह उत्सव का आयोजन 14 सितंबर से 20 सितंबर तक किया गया। स्थानीय भक्तों ने बताया कि उत्सव के दौरान प्रतिदिन काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रविवार को गुरु विश्वनाथ महाराज की पालकी के साथ मंदिर से मदनूर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। उत्सव में तेलंगाना के अलावा महाराष्ट्र और कर्नाटक से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया का जन्मदिन मनाया

सिलचर, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी असम के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया का जन्मदिन पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ मनाया। भाजपा जिला सचिव गोपाल चौहान ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई तथा उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। समारोह में स्थानीय नेताओं सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल...

इस बार छात्रों की गूंज कार्यक्रम में उन्होंने अपने मास्टर इन कम्युनिकेशन में प्रवेश से जुड़े मामले को राहुल गांधी के सामने रखा और न्याय की उम्मीद जताई।

तनय शर्मा ने माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा, कॉलेज के कुलपति को बोलने वाले छात्र नहीं, बल्कि अंधभक्त चाहिए।

उन्होंने कहा कि छात्र अगर अपनी समस्याओं और अधिकारों को लेकर आवाज उठाते हैं तो उन पर दबाव बनाया जाता है। तनय शर्मा का कहना है कि उन्होंने राहुल गांधी के सामने अपनी समस्या रखी है और उन्हें उम्मीद है कि इस मामले में छात्रों को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाई जाएगी।

तनय ने बताया कि कॉलेज के एक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए साक्षात्कार के दौरान उसके साथ जो व्यवहार हुआ और उसे जिस तरह असफल किया गया, उसके बाद जब रिकॉर्डिंग या अन्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए तो उस समय उसे एनएसयूआई का साथ मिला। इसके बाद उसने भी एनएसयूआई ज्वाइन कर ली।

दिल्ली से आई टीम ने दो बार साक्षात्कार लिया था

तनय ने बताया कि एनएसयूआई कोई आतंकी संगठन नहीं है कि भाजपा वाले इसे एक मुद्दा बना रहे हैं। तनय ने बताया कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी के पास जाने से पहले दिल्ली से आई टीम ने उनका दो बार साक्षात्कार लिया था। इसके बाद ही उनका छात्रों की गूंज कार्यक्रम में चयन हुआ और राहुल गांधी से उनकी मंच पर मुलाकात कराई गई।

भाजपा ने लगाया कांग्रेस कार्यकर्ताओं को छात्र बनाकर पेश करने का आरोप

दरअसल, भाजपा ने छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी से मिले छात्रों के कांग्रेस कार्यकर्ता होने का आरोप लगाते हुए कहा था कि कांग्रेस को असली छात्र नहीं मिले, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ही छात्र दिखाकर कार्यक्रम में राहुल गांधी से बात कराई गई।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने कहा था कि इंदौर में राहुल गांधी के तथाकथित छात्रों की गूंज कार्यक्रम की सच्चाई पूरे प्रदेश के सामने आ गई है। यह छात्रों की वास्तविक आवाज नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा तैयार किया गया पटकथा-आधारित राजनीतिक फर्जीवाड़ा था। जिन लोगों को आम छात्र बताकर मंच पर प्रस्तुत किया गया, वे कांग्रेस और एनएसयूआई से जुड़े पदाधिकारी निकले।

राहुल कोठारी ने कहा कि यह मध्यप्रदेश के छात्रों और युवाओं के साथ सीधा धोखा है। कांग्रेस के पास अब युवाओं का समर्थन नहीं बचा है, इसलिए वह अपने ही कार्यकर्ताओं को छात्र बनाकर राहुल गांधी के सामने खड़ा कर रही है। इस झूठ को परोसने के लिए जीतू पटवारी और उमंग सिंघार को तत्काल माफी मांगनी चाहिए।

बदले...

उनके प्रशासन ने चीनी प्रौद्योगिकी पर पाबंदियां कड़ी कर दीं और बीजिंग को अपना आर्थिक व्यवहार बदलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की।

इसके जवाब में चीन ने अपने सबसे बड़े हथियार महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदा तत्वों पर अपने नियंत्रण का इस्तेमाल किया। ये खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत वाहनों और रक्षा प्रणालियों के लिए बेहद जरूरी हैं। चीन की इन आपूर्ति श्रृंखलाओं में मजबूत स्थिति ने दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच अमेरिका को अपनी शुरुआती रणनीति से अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। इसी पृष्ठभूमि में ट्रंप और शी के बीच संबंधों में सार्वजनिक रूप से नरम रुख दिखाई देने लगा है।

माइकल कोवरिग ने बताई रुख बदलने की वजह

इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के वरिष्ठ सलाहकार माइकल कोवरिग ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के प्रति अपना नजरिया काफी बदल लिया है, क्योंकि बहुत अधिक शुल्क और निर्यात पाबंदियां लगाने की उनकी शुरुआती कोशिश सफल नहीं रही।

कोवरिग के अनुसार, ट्रंप और शी के बीच प्रभाव और दबाव को लेकर प्रतिस्पर्धा हुई, जिसमें चीन ने दुर्लभ मृदा खनिजों पर अपनी मजबूत स्थिति का इस्तेमाल किया। इसी घटनाक्रम के बाद ट्रंप का चीन के प्रति सार्वजनिक रुख अधिक नरम हुआ है।

आगामी बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दुर्लभ मृदा खनिज और तकनीकी मुद्दों पर बातचीत होगी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, कुछ गैर-रणनीतिक वस्तुओं पर शुल्क में सीमित राहत की संभावना पर भी चर्चा हो सकती है, हालांकि प्रमुख मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं।

हिन्दू ही ...

उनके मुताबिक, समाज में दूरी पैदा करने की कोशिश करने वालों की राजनीति सफल नहीं होगी।

भाजपा नेता करुणासागर ने भी अंसारी के बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि अगर मुद्दा कट्टरता का है तो वामपंथी उग्रवाद और इस्लामी आतंकवाद को लेकर भी उतनी ही स्पष्ट बात होनी चाहिए। उनके मुताबिक, किसी भी तरह के आतंकवाद या उग्रवाद की एक समान शब्दों में निंदा होनी चाहिए।

इसके अलावा, ऑल इंडिया इमाम संगठन से जुड़े उमेर अहमद इलियासी ने भी अंसारी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयानों से समाज का माहौल बिगड़ सकता है। इलियासी ने कहा कि मुसलमानों को भड़काने वाली बातों को समुदाय गंभीरता से नहीं लेगा। अंसारी के संदर्भ पर विहिप और ऑल इंडिया इमाम संगठन दोनों की ओर से आपत्तियां सामने आई हैं।

अंसारी ने क्या कहा था?

जिस बयान को लेकर विवाद खड़ा हुआ, उसमें अंसारी ने सीधे तौर पर इस कथन को अपना विचार बताने के बजाय ए.जी. नूरानी की पुस्तक का संदर्भ दिया था। उन्होंने नूरानी के लेखन के जरिए नागरिक राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और धार्मिक पहचान से जुड़े सवाल भी उठाए।

अंसारी ने कहा था कि हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्तियां दिखाई दी हैं, जो नागरिक राष्ट्रवाद की स्थापित सोच पर सवाल उठाती हैं। उनके मुताबिक, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद चुनावी बहुमत को धार्मिक बहुमत के रूप में पेश करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने इन प्रवृत्तियों का राजनीतिक और कानूनी स्तर पर मुकाबला करने की बात कही।

अंसारी ने यह संदर्भ तीसरे ए.जी. नूरानी स्मृति व्याख्यान में दिया था। 18 सितंबर को नई दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम का विषय 'रिमेम्बरिंग ए पॉलीमैथ : द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ अब्दुल गफूर नूरानी' था। अंसारी ने नूरानी की वर्ष 2019 में प्रकाशित पुस्तक द आरएसएस : ए मेनस टू इंडिया का हवाला देते हुए नेहरू से संबंधित उक्त टिप्पणी का उल्लेख किया था।

इस तरह एक पुराने ऐतिहासिक संदर्भ के जरिए कही गई बात अब मौजूदा राजनीति का मुद्दा बन गई है। एक तरफ अंसारी के भाषण को लेकर सवाल उठ रहे हैं, दूसरी तरफ उनके समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि उन्होंने नेहरू के पुराने कथन को ए.जी. नूरानी की किताब में दिए गए संदर्भ के रूप में सामने रखा था।

मेलोनी...

इसमें यह भी प्रावधान होगा कि जिन विदेशी छात्रों को स्कूल व्यवस्था में घुलने-मिलने में गंभीर दिक्कतें आ रही हैं, उनके माता-पिता को इतालवी भाषा सीखनी होगी और स्कूलों में बुर्का और नकाब पहनने पर रोक लगाई जाएगी।

उन्होंने कहा, अगर कक्षा में सिर्फ एक बच्चा ऐसा है, जिसे इतालवी भाषा समझ नहीं आती, तो वह बच्चा शायद सहपाठियों और शिक्षकों की मदद से जल्दी भाषा सीख लेगा और घुल-मिल जाएगा। लेकिन अगर भाषा न समझने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा हो जाती है या वे बहुमत में आ जाते हैं, तो यह एकीकरण नहीं, बल्कि उपेक्षा है।

विदेशी छात्रों की संख्या की सीमा अभी स्पष्ट नहीं

मेलोनी ने यह नहीं बताया कि प्रत्येक कक्षा में अधिकतम कितने विदेशी छात्र हो सकते हैं। शोध संस्था फोंडाजियोन आईएसएमयू के अनुसार, इटली के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों में से 11.6 प्रतिशत छात्र इटली के नागरिक नहीं हैं। यानी प्रत्येक 100 छात्रों में लगभग 12 छात्र गैर-इतालवी नागरिक हैं।

मेलोनी ने कहा, आपको बिना चेहरा ढके स्कूल जाना होगा और इटली में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह वास्तविक परंपरा हो या मानी हुई परंपरा, यह तय नहीं कर सकता कि किसी युवा महिला को खुद को छिपाकर रखना चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल शिक्षा समिति वार्षिक साधारण सभा 20 सितंबर 2026 को समिति की सेड़मल हॉल में संपन्न हुई। अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया की अध्यक्षता में आयोजित साधारण सभा में मंच पर अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर, उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल ,मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता ,मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल संयुक्त मंत्री राजेश नरेडी मंचासीन थे।

वंदे मातरम् गीत एवं मंचासीन गणमान्य द्वारा दीप प्रज्वलन के पश्चात सभा का शुभारंभ हुआ।

मानद मंत्री सी. ए .नवीन कुमार अग्रवाल ने सभा की कार्यवाही प्रारंभ की एवं सर्वप्रथम समिति के पिछले एक वर्ष में 7 दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित कि गई । तत्पश्चात उन्होंने अध्यक्षीय भाषण हेतु श्री प्रमोद कुमार केडिया को आमंत्रित किया।

सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार जी केडिया ने कहा कि 6 वर्ष पूर्व मैने अग्रवाल शिक्षा समिति का अध्यक्ष पद संभाला। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सभी सदस्यों का योगदान रहा। समिति के 16 संस्थानों के आय व्यय को क्रमबद्ध व सुचारू से कार्यान्वयन किया गया। जिससे समिति का लेखा जोखा सुदृढ़ हो गया। सभी कार्य नियमानुसार व पद्धति से हो रहे है। उन्होंने कहा कि यदि हम स्वयं अनुशासित नहीं है। तो विद्यार्थियों को शिक्षा कैसे दे सकते हैं, इसीलिए हम नियमुनसार कार्य करते हुए, शिक्षा समिति को विकास की ओर निरंतर अग्रसर कर रहे हैं। समिति हमेशा से यह विश्वास रखती है कि परिवर्तन को अपनाना विकास के लिए अनिवार्य है ,और हम शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक को अपनाते हुए हमारे अकादमिक स्तर को मजबूत बना रहे हैं। ताकि आने वाली पीढ़ी भविष्य के लिए तैयार रहे। उन्होंने संयुक्त मंत्री श्री राजेश कुमार अग्रवाल एवं समिति के सदस्य श्री शेष कुमार गोयल को धन्यवाद देते हुए कहा कि इन्होंने समय देकर ध्यानपूर्वक शिक्षा समिति के विकास कार्यों में अपना सहयोग प्रदान कर रहे है। उन्होंने मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल एवं लेखाकार सी. ए.पंकज अग्रवाल के कार्यों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा समिति के गणमान्य सदस्यों एवं सभी संस्थानों के शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन सभी के सहयोग से शिक्षा समिति विकास की ओर अग्रसर हो रही है। उन्होंने इन शब्दों के साथ अपना भाषण समाप्त किया। शिक्षा वह दीप है जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में ज्ञान और सफलता का प्रकाश फहलाता है।

मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने सभा के एजेंडा के अनुसार वर्ष 2025- 2026 के आय - व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने समिति द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों के लिए सभी को धन्यवाद दिया।उन्होंने पिछले वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। पिछली सभा के कार्यवृत्त को प्रस्तुत किया , जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया, उन्होंने कहा कि शिक्षा समिति का कार्य मूल रूप से सभी संस्थाओं को केंद्रीकरण करना है। उन्होंने अग्रवाल शिक्षा समिति के कार्यालय के सभी कर्मचारियों की प्रशंसा की जिन्होंने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं और अग्रवाल शिक्षा समिति यह विश्वास करती है कि शिक्षा केवल अकादमी उपलब्धि नहीं है बल्कि ज्ञान ,योग्यता, मूल्य, आत्मविश्वास और सृजनात्मकता एवं बदलते परिवेश को अपनाने की क्षमता होनी चाहिए। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए वैश्विक स्तर पर बढ़ते हुए तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में एक नया पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया बी एस सी, ए आई और च् ङ (मशीन लर्निंग) जूनियर कॉलेज के स्तर पर नवीन अउए पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया,जिसमें विद्यार्थियों को वाणिज्य और लेखा-जोखा में ज्ञान प्राप्त हो सके।

चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से अग्रवाल शिक्षा समिति में नवीनीकरण का कार्य निरंतर चल रहा है। समिति के शिक्षण संस्थानों में आवश्यकतानुसार सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही है, जिससे अकादमिक स्तर पर बढ़ रहा है।अवसर पर डॉ. श्याम सुंदर के जन्मदिन पर उन्हें सम्मानित किया गया तथा समिति के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर सभा में उपस्थित सदस्यों में प्रमुख थे, संयुक्त मंत्री श्री राजेश कुमार अग्रवाल,ट्रस्टी श्री बजरंग प्रसाद गुप्ता,गोविंद दोचानिया,राधे कृष्ण वुमेंस कॉलेज के करेसपॉन्डेंट डॉ महेश कुमार केडिया,डी.बी.गर्ल्स जूनियर कॉलेज करेस्पांडेंट व आर.के. वुमेंस कॉलेज के समन्वयक श्री मनीष कुमार अग्रवाल,भगवती मोंटेसरी स्कूल के करेसपॉन्डेंट श्री शेष कुमार गोयल,जी.के. पी. एस व एल.बी.एम.टी स्कूल के समन्वयक श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल, सर्व श्री आर.ए.अग्रवाल, शिव केडिया, सुनील केडिया, प्रतीक केडिया,प्रदीप कुमार अग्रवाल ,विश्वनाथ अग्रवाल,दिनेश अग्रवाल,शौर्य केडिया एवं प्रेमलता अग्रवाल उपस्थित थे। समिति के संयुक्त सचिव राजेश कुमार नरेडी ने सभी पदाधिकारियों और समिति मुख्यालय के कर्मचारी एवं शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन सु श्री अश्विनी सम्पूर्णकर ने किया।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन द्वारा अन्नसेवा का आयोजन

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ अग्रवाल केयर फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा भाग्यनगर अन्नसेवा मिशन के अंतर्गत रविवार को अत्तापुर के रामबाग क्षेत्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने विशाल 'अन्नसेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राहगीरों एवं स्थानीय जरूरतमंदों ने श्रद्धापूर्वक स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन का लाभ उठाया। फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने आत्मीयता और सेवा भाव के साथ सभी आगंतुकों को भोजन परोसा।

सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने एवं मार्गदर्शन देने के लिए फाउंडेशन के वरिष्ठ एवं प्रबुद्धजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। अग्रवाल केयर फाउंडेशन के श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ी मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य अग्रवाल केयर फाउंडेशन द्वारा नियमित रूप से प्रत्येक माह में दो बार, हर दूसरे रविवार को आयोजित किया जाता है और भविष्य में भी इसे निरंतर जारी रखने के लिए फाउंडेशन दृढ़ संकल्पित है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओम प्रकाश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल भालवाले, राजेश शर्मा, गोविंद राज अग्रवाल, सुनील कुमार संघी, श्याम अग्रवाल, लोकेश पित्ती, संजय गुप्ता, लाठी जी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, वासु अग्रवाल, देवेश अग्रवाल, दीपिका अग्रवाल, रानी अग्रवाल, अंकुर बंसल सहित अनेक नन्हे बालक-बालिकाओं ने भी इस सेवा कार्य में सहयोग दिया।स्थानीय निवासियों ने अग्रवाल केयर फाउंडेशन के इस सेवा भाव की भूरि-भूरि प्रशंसा की और संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री जैन सेवा संघ द्वारा आयोजित सामूहिक क्षमापना सम्मेलन की अपार सफलता पर संघ के अध्यक्ष उमेश बागरेचा एवं मंत्री विमल मुथा का अभिनंदन करते हुए जैन माइनॉरिटी कौंसिल के अध्यक्ष रिद्धिश जागीरदार, मुकेश जैन चौहान, अशोक संचेटी, सुरेश सुराणा एवं अन्य।

भारतीय विद्या भवन में गुजरात से आईं काजल हिंदुस्तानी द्वारा लड़कियों एवं महिलाओं को अच्छे संस्कारों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता एवं रचना गुप्ता ने उनका स्वागत किया। समाज की अध्यक्षा कलावती जाजू का सपना गुप्ता ने सम्मान किया। कार्यक्रम में नाश्ते का भी आयोजन किया गया।

सेवा के हर कदम पर ईश्वर का आशीर्वाद :मनीष गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास रविवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीष गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निस्वार्थ भाव से किए जा रहे सेवा कार्यों में राधा रानी की कृपा और ईश्वर का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

मनीष गुप्ता ने कहा कि सेवा कार्य में किसी प्रकार के स्वार्थ या दिखावे की आवश्यकता नहीं होती। जब मन में सेवा और समर्पण का भाव होता है तो ईश्वर स्वयं उस कार्य को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य इसी भावना का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं, बल्कि समाज में अपनत्व, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से अपनी सहभागिता निभाते हुए इस सेवा को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास और सेवा भावना के साथ चल रहा यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की अन्नसेवा की यह नियमित श्रृंखला सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत कर रही है। सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने तथा अधिक से अधिक लोगों को मानव सेवा से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया।

एनकेएस यूथ एसोसिएशन द्वारा ऑटोनगर में गणेश पूजा पर महाभंडारा आयाजित

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रविवार को दोपहर 1.15 बजे एनकेएस यूथ एसोसिएशन द्वारा ऑटोनगर में 11 दिवसीय गणेश पूजा की स्थापना की गई। इस शुभ अवसर पर रविवार को भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना की गई।

पूजा-अर्चना के पश्चात महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वनस्थलीपुरम के सहायक पुलिस आयुक्त पी. कासी रेड्डी उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में कर्मनघाट हनुमान मंदिर की पूर्व अध्यक्ष एवं यदाद्रि गुट्टा नरसिंहस्वामी मंदिर की निदेशक ईश्वरम्मा यादव, एएमसी निदेशक जयपाल रेड्डी, पूर्व पार्षद लक्ष्मी प्रसन्ना, भारत राष्ट्र समिति के नेता डी. शरवण कुमार, भारत राष्ट्र समिति के नेता डी. श्रीकांत तथा पूर्व आंध्र केसरी संतोष पहलवान यादव शामिल रहे।

कार्यक्रम में भारत मानसिंह, गजानंद चौधरी, साई बाबा यादव, मनोहर सिंह, आशुतोष सिंह, सुरेश यादव, समिति संरक्षक एन.के. सिंह, समिति अध्यक्ष अमरजीत सिंह, डी. संदीप कुमार, संदीप सिंह, आदित्य सिंह, राजनाथ यादव एवं पी. सुरेश सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस शुभ अवसर पर काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित हुए और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर महाभंडारे में प्रसाद का आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा।

लेवेनर नॉर्थ ईस्ट अपना परिवार अपार्टमेंट में गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रतिदिन गणेश जी की पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

भरत चाण्डा ने धूमधाम से मनाया प्रधानमंत्री मोदी का 76वां जन्मदिन

सांसद डॉ. के. लक्ष्मण के करकमलों से हुआ विशेष केक का अनावरण

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ तेलंगाना प्रदेश के संयुक्त सह-संयोजक भरत चाण्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के कार्यकाल की प्रमुख योजनाओं, ऐतिहासिक निर्णयों एवं उपलब्धियों को दर्शाने वाला एक भव्य एवं अनूठा केक तैयार कराया गया, जो समारोह का मुख्य आकर्षण रहा।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण के करकमलों से विशेष केक का अनावरण कर प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर गांधीनगर की पार्षद श्रीमती पावनी विनय कुमार, भरत चाण्डा, कनिष्क गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भरत चाण्डा की विशेष पहल पर तैयार इस अनूठे केक में स्वच्छ भारत अभियान, जन धन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, चंद्रयान-3, जी-20, ब्रिक्स और अनुच्छेद 370 सहित प्रधानमंत्री के कार्यकाल से जुड़े प्रमुख विषयों को आकर्षक एवं रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया गया।

भरत चाण्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उनके कार्यकाल की जनकल्याणकारी योजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों और देश की प्रगति से जुड़े विभिन्न पड़ावों को याद करने का अवसर है।

इस विशेष केक के माध्यम से इन सभी विषयों को एक ही मंच पर रचनात्मक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आतिशबाजी की गई तथा उपहार एवं भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भरत चाण्डा द्वारा आयोजित यह विशेष जन्मदिन समारोह प्रधानमंत्री के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित अनूठे केक, रचनात्मक प्रस्तुति और उत्साहपूर्ण आयोजन के कारण आकर्षण का केंद्र रहा।

डिवाइडर से टकराकर धू-धू कर जली लग्जरी वोल्वो कार, न्यूरोसर्जन की जिंदा जलने से मौत

बाहर निकलने का मौका नहीं मिला, फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले पूरी तरह जल चुकी थी कार

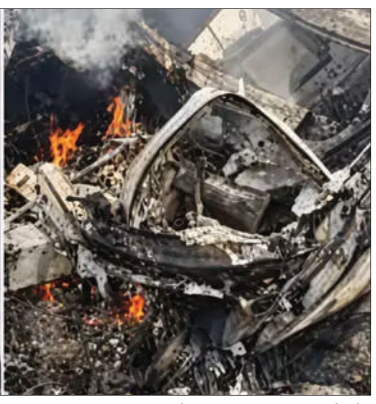

सूर्यपेट, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में न्यूरोसर्जन कसाकुर्ती जगदीश की दर्दनाक मौत हो गई। वह अपनी लग्जरी वोल्वो कार से खम्मम से हैदराबाद लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी कार का संतुलन बिगड़ गया और खम्मम-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिल्लालमारी के पास डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर के बाद कार में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते कार आग की लपटों में घिर गई और उसमें सवार न्यूरोसर्जन बाहर नहीं निकल पाए, जिससे उनकी जिंदा जलने से मौत हो गई।

यह हादसा रविवार सुबह करीब 7:15 बजे सूर्यपेट में खम्मम-हैदराबाद राजमार्ग पर पिल्लालमारी के पास हुआ। जानकारी के मुताबिक, कार का संतुलन बिगड़ने के बाद वह डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई।

आस-पास मौजूद लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग को भी सूचित किया गया, लेकिन फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचकर ड्राइवर को बचाने से पहले ही गाड़ी पूरी तरह आग की लपटों में घिर चुकी थी। न्यूरोसर्जन जगदीश को कार से बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका।

वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर मृतक की पहचान खम्मम के ममता अस्पताल से जुड़े न्यूरोसर्जन कसाकुर्ती जगदीश के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह अपने परिवार से मिलने के लिए खम्मम से हैदराबाद जा रहे थे।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि हादसे के पीछे कार चालक के नींद में होने की वजह हो सकती है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह अभी सामने नहीं आई है और मामले की जांच जारी है।

हादसे के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फॉरेंसिक टीम ने जले हुए अवशेषों को एकत्र कर सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा ने पूरे किए आस्था, सेवा और भाईचारे के 100 वर्ष

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऐतिहासिक सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा में आस्था, सेवा और आपसी भाईचारे के 100 वर्ष पूरे होने का भव्य जश्न मनाया गया। इस अवसर पर रविवार को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड्स में हजारों सिख श्रद्धालुओं के साथ विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

1926 में स्थापित सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा ने कई पीढ़ियों के दौरान हैदराबाद को बदलते हुए देखा है। बदलते समय के साथ भी गुरुद्वारे ने समानता, भाईचारे, दया और निस्वार्थ सेवा का अपना मूल संदेश बनाए रखा है। इसलिए इसकी शताब्दी का समारोह केवल 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव नहीं रहा, बल्कि तेलंगाना के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में सिख समुदाय की मजबूत उपस्थिति और योगदान का भी उत्सव बना।

विशाल दीवान में हजारों श्रद्धालुओं ने की अरदास

इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा की प्रबंधक समिति ने तेलंगाना भर के सिख गुरुद्वारों के साथ मिलकर 'विशाल दीवान' धार्मिक सभा का आयोजन किया। रविवार, 20 सितंबर 2026 को नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड्स में आयोजित इस सभा में हजारों सिख श्रद्धालुओं एवं विभिन्न धर्मों के लोगों ने भाग लिया और गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष प्रार्थना की।

इस अवसर पर सिख धर्म के प्रमुख आध्यात्मिक एवं सामुदायिक नेता उपस्थित रहे। इनमें तख्त सचखंड श्री हजूर अबचलनगर साहिब, नांदेड़ (महाराष्ट्र) के सम्मानित जत्थेदार सिंह साहिब संत बाबा कुलवंत सिंह जी प्रमुख रूप से शामिल रहे। तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब सिख धर्म के पांच सर्वोच्च तख्तों में से एक है।

नांदेड़ (महाराष्ट्र) के गुरुद्वारा लंगर साहिब से जुड़े सम्मानित आध्यात्मिक गुरु एवं सामुदायिक नेता संत बाबा बलविंदर सिंह जी (हजूर साहिब वाले) तथा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने भी शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया।

देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रसिद्ध रागी जत्थों एवं कथा वाचकों के गुरबानी कीर्तन और कथाओं ने सभा के आध्यात्मिक वातावरण को और भी विशेष बना दिया। दिल्ली के भाई जगजीत सिंह बबीहा, लुधियाना के भाई बलप्रीत सिंह, भाई जगप्रीत सिंह खन्नेवाले, भाई रविंदर सिंह तथा अन्य रागी जत्थों एवं कथा वाचकों ने शबद कीर्तन प्रस्तुत किए और सिख गुरुओं की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।

धार्मिक प्रवचनों का संदेश गुरुद्वारे की दीवारों से बाहर तक पहुंचा। वक्ताओं ने राष्ट्रीय एकता, शांति, समानता, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव के महत्व पर जोर दिया। साथ ही श्रद्धालुओं से सिख गुरुओं की शिक्षाओं का पालन करने का आग्रह किया गया, जिनका शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और मानवता की सेवा का संदेश आज भी विभिन्न समुदायों के बीच गूंजता है।

सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष एस. त्रिलोक सिंह ने कहा, यह ऐतिहासिक शताब्दी समारोह आस्था, सेवा और एकता का उत्सव है, जो पूरे समुदाय को एक साथ लाता है।

शताब्दी समारोहों ने गुरुद्वारे की धार्मिक पहचान से आगे बढ़कर समाज के प्रति उसके योगदान को भी रेखांकित किया। पीढ़ियों से यह प्रार्थना, आपसी मेलजोल और निस्वार्थ सेवा का केंद्र रहा है, जो सामुदायिक जीवन के मूल में सिख सेवा परंपरा को दर्शाता है। इसकी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों ने सिख समुदाय और हैदराबाद के व्यापक सामाजिक ताने-बाने के बीच संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा अपनी दूसरी सदी में प्रवेश कर रहा है और ये समारोह निरंतरता का संदेश देते हैंएक समृद्ध आध्यात्मिक विरासत को संजोना तथा युवा पीढ़ी को सेवा, समानता और करुणा के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना।

गुरु का लंगर बना समानता और सेवा का प्रतीक

हैदराबाद के सिख समुदाय के लिए सेंट्रल गुरुद्वारा साहिब गौलीगुडा की कहानी वास्तव में निरंतरता की कहानी है। यह ऐसी आस्था की कहानी है, जिसने अपनी परंपराओं को बनाए रखते हुए हैदराबाद की विविधतापूर्ण पहचान का अभिन्न अंग बनने का सफर तय किया है।

जैसे ही यह ऐतिहासिक गुरुद्वारा अपनी दूसरी सदी में कदम रख रहा है, शताब्दी समारोहों ने इसके अतीत को सम्मान देने और भविष्य के लिए एक सेतु बनाने का काम किया है। त्रिलोक सिंह ने कहा कि गौलीगुडा का संदेश हमेशा की तरह अटूट हैआस्था का सबसे गहरा अर्थ सेवा में निहित है और समुदाय तब मजबूत होता है, जब वह सद्भाव के साथ मिलकर आगे बढ़ता है।

समानता की भावना सभा के समापन पर विशेष रूप से दिखाई दी, जब श्रद्धालुओं को पारंपरिक 'गुरु का लंगर' अर्थात निःशुल्क सामुदायिक भोजन परोसा गया। कतारों में एक साथ बैठकर और समान भोजन ग्रहण करते हुए लोगों ने सिख दर्शन के एक सशक्त संदेश को अनुभव किया कि सभी समान हैं और साथी इंसानों की सेवा सामाजिक एवं धार्मिक सीमाओं से ऊपर है।

सेवा और समर्पण की भावना से समाज को मिलती है नई दिशा : दीप चंद्र अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से चलाए जा रहे इस सेवा अभियान में सदस्यों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए दीप चंद्र अग्रवाल ने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना समाज को नई दिशा प्रदान करती है। राधे-राधे ग्रुप जिस निरंतरता, निष्ठा और सेवाभाव के साथ समाज का मार्गदर्शन कर रहा है, वह अपने आप में प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा से जरूरतमंदों को सहारा मिलने के साथ-साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि आज के समय में सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारी केवल कार्यक्रम आयोजित करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचकर उनकी आवश्यकताओं में सहभागी बनना ही वास्तविक सामाजिक सेवा है। राधे-राधे ग्रुप इसी सोच के साथ निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रुप की सेवा पद्धति और समर्पण से प्रत्येक सामाजिक संगठन को प्रेरणा लेकर मानवता के हित में कार्य करना चाहिए।

दीप चंद्र अग्रवाल ने कहा कि अन्नसेवा भारतीय संस्कृति की महान परंपरा रही है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदना और जिम्मेदारी का परिचायक है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से इसी संस्कार को समाज में मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, दीप चंद्र अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने अन्नसेवा में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

हिंदी दिवस पर यलंदु में जिला स्तरीय समारोह संपन्न

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा यलंदु नगरपालिका कार्यालय स्थित मंडल शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में भव्य जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस' विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में खम्मम जिले भर से शामिल हुए मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी भाषा के प्रति जनमानस में रुचि बढ़ाने की दिशा में एक सफल प्रयास सिद्ध हुआ।

विजेता विद्यार्थियों को प्रदान किए पुरस्कार

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंस्टिट्यूट ऑफ जर्नलिज्म के प्राचार्य एवं हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के परामर्शदाता महेश अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने अपने कर-कमलों से प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही जिला परिषद उच्च पाठशाला की प्रधानाध्यापिका डॉ. टी. सुनीता और बेगमपेट सरकारी विद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर को हिंदी के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यालयों में नियुक्त होंगे हिंदी ब्रांड एंबेसडर

अपने संबोधन में महेश अग्रवाल ने घोषणा की कि मंडल शिक्षा अधिकारी के विशेष प्रयासों से क्षेत्र के सभी विद्यालयों में हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए हिंदी ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा, पर्यावरण जागरूकता और भाषा विकास को एक साथ जोड़कर छात्रों को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आकाश तलवार ने कहा कि हिंदी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में शामिल है। मातृभाषा और राष्ट्रभाषा का सम्मान करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समन्वयक डॉ. सतीश खंडेलवाल ने कहा कि अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी प्रेमियों की इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति यह दर्शाती है कि हिंदी भारत को जोड़ने वाली सबसे मजबूत कड़ी है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्था की ओर से डॉ. खंडेलवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

समारोह में अखिल विश्व गायत्री परिवार (शांतिकुंज, हरिद्वार) के दक्षिण भारत प्रतिनिधि नरेंद्र ठाकुर, संदीप एवं ऋषभ सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा (तेलंगाना) के कोषाध्यक्ष सुनील मित्तल, कल्चरल फाइन आर्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष प्रभाकर राव तथा कमलेकर अरविंद ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा सितंबर माह के राशन किट एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं का वितरण

हैदराबाद, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भांति सितंबर माह में भी 50 राशन किट वितरित किए गए। संस्था द्वारा पिछले 16 महीनों से लगातार जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट वितरित किए जा रहे हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस माह रविवार को हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में राशन किट का वितरण किया गया। राशन के अतिरिक्त परिवार के उपयोग में आने वाले पानी के गिलास, जग एवं साड़ियां आदि भी वितरित की गईं।

राशन किट के प्रायोजक मंगत राय जी, राम कुमार जी, परिवार के श्री राधेश्याम जी गुप्ता, श्री केदार नाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार), पुरुषोत्तम दास जी, सुरेश कुमार जी पापड़िया (टंडन), महेंद्र कुमार जी डाबलावाले तथा साड़ी के प्रायोजक बजरंग लाल शर्मा रहे।पिछले 16 महीनों से राशन किट जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों में वितरित किए जा रहे हैं। सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल वितरित किए गए थे। दिसंबर माह में स्वेटर बांटे गए। जनवरी माह में संक्रांति त्योहार को ध्यान में रखते हुए साड़ियां वितरित की गईं। फरवरी माह में चटाइयां तथा अन्य महीनों में प्लास्टिक की चौकी, पानी की बोतलें, रसोई की कड़ाही, प्लास्टिक की बाल्टी, मग, प्लास्टिक की बुट्टियां, स्टील के डिब्बे, अल्पाहार की प्लेटें आदि उपयोगी वस्तुएं वितरित की गईं।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में प्रायोजक श्री राधेश्याम गुप्ता, विमल कुमार अग्रवाल एवं श्री बजरंग लाल शर्मा के अतिरिक्त संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, आर. ए. अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा सेवा प्रदान की गई।संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने आगे बताया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार, जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम है तथा जो 10 हजार रुपये से कम किराए के मकान में रहते हैं, वे सीधे अपना आधार कार्ड एवं फोटो भेज सकते हैं। ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संस्था द्वारा राशन किट का प्रबंध किया जाएगा।

महेश्वरम विप्रो जंक्शन पर पुलिस का वाहन चेकिंग अभियान; नियम तोड़ने वालों पर काटा चालान

फ्यूचर सिटी/महेश्वरम, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): सड़क सुरक्षा और दृश्यमान पुलिसिंग (विजिबल पुलिसिंग) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महेश्वरम पुलिस ने विप्रो जंक्शन पर एक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस चेकिंग अभियान का नेतृत्व महेश्वरम पुलिस स्टेशन के निरीक्षक (इंस्पेक्टर) श्री एस. राघवेंद्र रेड्डी ने किया। उनके साथ एक उप-निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर), एक सहायक उप-निरीक्षक (असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर), पीटर मोबाइल-1 और बीसी-2 के पुलिसकर्मी शामिल रहे। अभियान के दौरान विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर 1,850 का ई-चालान काटा गया। इसके साथ ही पैपिलॉन डिवाइस का उपयोग करके 10 संदिग्ध व्यक्तियों का पहचान सत्यापन भी किया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस ने दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश देकर जागरूक किया। अधिकारियों ने वाहन चालकों से जिम्मेदारी से वाहन चलाने और सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की

गोदावरीखनी में युवती की संदिग्ध मौत का मामला सुलझा

पेद्दापल्ली, 20 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोदावरीखानी वन टाउन पुलिस ने थाना क्षेत्र में युवती की संदिग्ध मौत के मामले को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, युवती को कीटनाशक पिलाकर उसकी हत्या की गई। मामले में मुख्य आरोपी जेट्टी नवीन कुमार को पुलिस ने सहायक पुलिस आयुक्त मदाथा रमेश के नेतृत्व में गोदावरीखानी पुल और गंगानगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। वहीं, सिंगरेनी कंपनी में ओवरमैन के रूप में कार्यरत बोम्माकांति रविकुमार को ओसीपी-5 खदान से गिरफ्तार किया गया।

शनिवार, 12 सितंबर 2026 को गोदावरीखानी वन टाउन थाना क्षेत्र के एक सरकारी अस्पताल में युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के आदेश पर गोदावरीखानी के सहायक पुलिस आयुक्त मदाथा रमेश ने पेड्डापल्ली पुलिस उपायुक्त की निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से जांच की।

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, कॉल विवरण, कॉल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। पुलिस के अनुसार, इन साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों की पहचान कर मामले का खुलासा किया गया।

पुलिस के अनुसार, नवीन कुमार ने एक कथित आत्महत्या पत्र तैयार किया, जिसमें युवती द्वारा आत्महत्या करने और रविकुमार पर दुष्कर्म का आरोप लगाने की बात लिखी गई थी। उसने अपने मोबाइल फोन से उस पत्र की तस्वीर भी ली। जांच में पुलिस को संदेह है कि इसके बाद उसने युवती को पहले से तैयार कीटनाशक पीने के लिए मजबूर किया। कीटनाशक पीने के बाद युवती कार में बेहोश हो गई।

पुलिस का आरोप है कि नवीन कुमार ने तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के बजाय जानबूझकर देरी की, क्योंकि उसे अपने अपराध के सामने आने का डर था। युवती की तत्काल मौत नहीं होने पर वह कुछ समय तक कार को अलग-अलग स्थानों पर घुमाता रहा। बाद में युवती के बेहोश होने के बाद उसके मोबाइल फोन से उसके पिता को फोन कर यह विश्वास दिलाने का प्रयास किया कि उसने आत्महत्या की है।

पुलिस के अनुसार, वह युवती को शाम करीब 7:30 से 7:45 बजे के बीच उसके घर ले गया। बाद में उसके माता-पिता को भी कार में बैठाकर सरकारी अस्पताल ले गया। अस्पताल पहुंचने के बाद नवीन कुमार वहां से फरार हो गया। अगले दिन उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.